दैनिक

साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 113 | sadhnaexpress@gmail.com भोपाल, सोमवार, 14 अप्रैल, 2025 पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये www.sadhnaexpress.com

मुर्शिदाबाद हिंसा: इलाकों में दिखा तबाही का मंजर, राज्यपाल ने की सीएम से चर्चा, सैकड़ों लोगों का पलायन

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शुक्रवार (11 अप्रैल, 2025) को वक्फ अधिनियम को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई.

कोलकाता, एजेंसी | पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और बर्बादी का मंजर रविवार (13, अप्रैल, 2025) को भी सड़कों पर देखने को मिला. जले हुए वाहन, लूटे गए शॉपिंग मॉल और फार्मेसी में तोड़फोड़ कुछ इस तरह का नजारा रहा.

मुर्शिदाबाद में रविवार को सड़कें सुनसान रहीं, दुकानें बंद रहीं और लोग घरों के अंदर ही रहे. पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बल धूलिया, शमशेरगंज और सुती क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में गश्त कर रहे हैं, जहां पिछले दो दिनों से हिंसा जारी है.

मीडिया की टीम जब धुलियान में गई तब कुछ स्थानीय लोगों ने उन्हें एक क्षतिग्रस्त इमारत के भीतर बम के छर्रे और फर्नीचर की राख दिखाई, जिन्हें उपद्रवियों ने प्रांगण में जमा कर आग लगा दी थी.

विनाश का ऐसा ही मंजर सुती, शमशेरगंज और धुलियान में भी देखने को मिला और ऐसा लग रहा था जैसे युद्धक्षेत्र हो, क्योंकि भारी हथियारों से लैस केंद्रीय बलों ने पुलिस और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) कर्मियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय राजमार्ग और आसपास की गलियों में मार्च किया. सुरक्षाकर्मियों को स्थानीय लोगों से अपने घरों और संपत्तियों के सामने जमा पत्थरों, कंक्रीट के टुकड़ों और ईंटों को हटाने के लिए कहते देखा गया.

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने कहा कि वह हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले के संबंध में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ नियमित रूप से चर्चा कर रहे हैं, जबकि केंद्र स्थिति पर नजर रख रहा है.

आईएनएस विक्रांत+राफेल मरीन

हिंद महासागर में बन गया 'अजेय' कॉम्बिनेशन

पेरिस (एजेंसी)। हिंद महासार में भारत एक अजेय शक्ति बनने जा रहा है। जब बात समुद्री शक्ति की आती है, तो अब भारत का नाम दुनिया की शीर्ष नौसेनाओं में आता है। और इस बार भारतीय नौसेना के लिए एक ऐसा सौदा किया गया है, जिसे हिंद महासागर का पूरा गेम बदल जाएगा। वो है राफेल मरीन फाइटर जेट्स की खरीद। भारत ने फ्रांस से 26 राफेल फाइटर जेट्स खरीदने का फैसला किया है और ये सिर्फ एक डिफेंस अपग्रेडेशन नहीं है, बल्कि रणनीतिक प्रभुत्व का ऐलान है। खासकर ऐसे वक्त में, जब भारत को एक साथ

पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में चीन से समुद्री चुनौती मिल रही हो। भारत के नौसेना इतिहास में इस सबसे महत्वपूर्ण समझौतों में से एक बन गया है। नई दिल्ली ने फ्रांस से 26 राफेल फाइटर जेट खरीदने के लिए 63 हजार करोड़ रुपये, यानि करीब 7.5 अरब डॉलर से ज्यादा के सरकारी सौदे को मंजूरी दी है। 26 राफेल फाइटर जेट खरीदने के बाद भारत उन दुर्लभ देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा, जिसका विशाल समुद्री विस्तार में दुर्जेय कैरियर बैटल ग्रुप क्षमताओं को प्रदर्शित कर सकते हैं। इस सौदे में 22 सिंगल-सीटर राफेल मरीन फाइटर और चार ट्विन-सीटर वैरिएंट शामिल हैं। भारतीय नौसेना राफेल मरीन फाइटर जेट्स को कैरियर्स से ऑपरेट करने वाली है। इन लड़ाकू विमानों को भारत के दो एयरक्राफ्ट पर तैनात किया जाएगा।

एनकाउंटर के बाद बरामद सामान पर पाकिस्तान का पता

हथियार और गोला-बारूद मिला, 11 अप्रैल को सुरक्षाबलों ने 3 जैश आतंकी मारे थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 11 अप्रैल की देर रात को हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया था। जिसके बाद से जारी सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने शनिवार को 1 एके 4 राइफल, 2 एके 47 राइफल, 11 मैगजीन, 65 एमएम 4 गोलियां और एके 47 की 56 गोलियां, साथ ही टोपी, दवाइयां, प्राथमिक उपचार सामग्री और मोजे बरामद किए हैं। दवाओं पर पाकिस्तान और लाहौर का पता

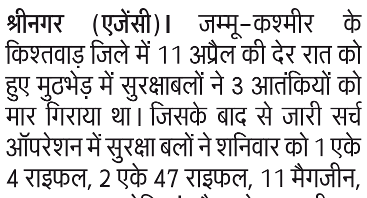

रविवार को भोपाल प्रवास पर आए केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी का स्टेट हेंगर पर पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आत्मीय अगवानी कर स्वागत-अभिनंदन किया।

हादसों का 'रविवार' 3 घटनाओं में 15 की मौत

● जयपुर और बिजनौर में काली सुबह, 7 की गई जान ● आंध्र की पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 8 लोगों की मौत

जयपुर (एजेंसी)। रविवार का दिन तीन राज्यों के लिए बेहद दुखद रहा। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में सात लोगों की जान चली गई। वहीं आंध्रप्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में 8 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में एक ही परिवार के पांच सदस्य और दो सगे भाई शामिल हैं। राजस्थान के जयपुर जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। रायसर थाना क्षेत्र में मनोहरपुर-दौसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी रघुवीर सिंह ने बताया कि यह हादसा नेकावाला टोल के पास सुबह करीब आठ बजे हुआ, जब कार सवार परिवार खाटूश्याम मंदिर के दर्शन के लिए जा रहा था। तभी सामने से आ रहे ट्रेलर से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी सत्यप्रकाश सोनी (60), उनकी पत्नी रामादेवी (55), बेटे अभिषेक सोनी (35), बहू प्रियांशी (30) और छह महीने की पोती के रूप में हुई है। ये सभी राजस्थान घूमने आए थे और धार्मिक यात्रा पर निकले थे। उधर, उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के स्योहारा थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हुआ। खेत से घर लौट रहे दो सगे भाइयों की तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 8 की मौत

घटना में 7 लोग गंभीर रूप से घायल, शुरू हुई जांच

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में बड़ा हादसा हुआ है। जिले में रविवार को एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका हो गया। यह घटना कोटावुराटला मंडल के कैलासपट्टनम गांव में हुई। इस हादसे में कम से कम आठ लोगों की जान चली गई। वहीं सात लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। मरने वालों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह धमाका पटाखा बनाने वाली यूनिट के अंदर हुआ। धमाके के बाद आग तेजी से फैली और पूरे यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि फैक्ट्री में रखे पटाखों के बड़े भंडार में आग लग गई। इससे एक बड़ा धमाका हुआ और पूरी यूनिट मलबे में तब्दील हो गई।

हादसे के समय फैक्ट्री में 15 कर्मचारी काम कर रहे थे। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के इलाके में भी नुकसान हुआ है। ये पटाखे आने वाले त्योहारों और शादियों के लिए बनाए जा रहे थे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर दुख जताया है। वहीं आंध्र के गृह मंत्री वी अनिता ने बताया कि आग लगने की दुर्घटना में दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है।

आतंकी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल लेगी एनआईए

नई दिल्ली (एजेंसी)। तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी रविवार को तीसरे दिन पूछताछ करेगी। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल लिए जा सकते हैं। एनआईए पता लगाएगी कि क्या तहव्वुर नवंबर 2008 के हमलों के दौरान फोन पर निर्देश (इंस्ट्रक्शन) दे रहा था। वॉयस सैंपल लेने के लिए तहव्वुर की सहमति जरूरी होगी। मना करने पर एनआईए कोर्ट जा सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार को एनआईए की पूछताछ में एक कर्मचारी बी का नाम आया है, इसने राणा के कहने पर हेडली के लिए ऑपरेशन और लॉजिस्टिक में मदद की थी। अब एनआईए राणा और कर्मचारी बी को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ करेगी। एजेंसी के मुताबिक कर्मचारी बी को आतंकी साजिश की जानकारी नहीं थी। वह सिर्फ राणा के निर्देश पर हेडली के लिए रिसेप्शन, ट्रांसपोर्ट-ऑफिस की व्यवस्था करता था।

सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंप चलाएंगी, गैस भी बांटेंगी

● भोपाल में अमित शाह बोले-एमपी में हैं काफी संभावनाएं ● सांची दुग्ध संघ और एनडीडीबी के बीच हो गया एमओयू

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच एमओयू हुआ। इसके साथ ही एमपी के छह दुग्ध संघों और एनडीडीबी के बीच छह अलग-अलग एमओयू भी किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। इस दौरान सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पशुपालन-डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल के साथ-साथ नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड और मध्यप्रदेश के सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि देश में सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंपों का संचालन करेंगे और रसोई गैस का वितरण भी संभालेंगी। शाह ने कहा कि सहकारिता सेक्टर में मध्य प्रदेश में काफी संभावनाएं हैं, जिस पर काम करने की जरूरत है। इससे पहले स्टेट हैंगर पर शाह का स्वागत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने किया। इसके बाद शाह का काफिला रवाना होकर सीएम हाउस पहुंचा, जहां शाह ने सीएम मोहन यादव और उनके साथी मंत्रियों के साथ लंच किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा- मध्य प्रदेश के अंदर कृषि, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र में अधिक संभावनाएं हैं। मैं मानता हूं कि हमें हमारी संभावनाओं का शत प्रतिशत दोहन करने के लिए ढेर सारा काम करने की जरूरत है। अमित शाह ने कहा कि ग्रामीण विकास और कृषि विकास के आयाम, पशुपालन के आयाम, इन सबको एक जगह पर रखकर केंद्रीय स्तर पर कोई विचार नहीं किया। विचार होता भी कैसे। कोई सहकारिता मंत्रालय ही नहीं था। आजादी के 75 साल बाद पीएम मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर मुझे मंत्री बनाया। मोहन जी कह रहे हैं उन्हें आश्चर्य हुआ तो थोड़ा मुझे भी आश्चर्य हुआ।

- **सांची का नाम नहीं बदलेगा, संचालन एनडीडीबी के हाथ में होगा–** पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री लखन पटेल ने बताया कि मप्र दुग्ध संघ और एनडीडीबी के बीच अनुबंध के बाद भी न तो सांची का नाम हटेगा, न लोगो बदलेगा। संचालन का काम एनडीडीबी के हाथों में रहेगा। दुग्ध संघ में अब सीईओ, एनडीडीबी के अधीनस्थ काम करेंगे। एनडीडीबी और दुग्ध संघ के बीच हुए करार के बाद मप्र में दुग्ध सहकारी समितियों की संख्या 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार हो जाएगी। एनडीडीबी मप्र में डेली दुग्ध उत्पादन क्षमता को 10 लाख लीटर से बढ़ाकर 5 साल में 20 लाख लीटर तक ले जाएगा। 5 साल के प्रोजेक्ट के लिए 1447 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है।
- **सीएम ने कहा–किसानों की जिंदगी बेहतर बनाएंगे–** सीएम ने कहा कि हजारों साल से ऐसा माना जाता था कि हमारे देश में दूध की नदियां बहती थीं। लेकिन गाय माता के दूध के मामले में तो बहुत सावधानी से बोलने की बात थी। मतलब गाय का दूध ही नहीं लेते थे। जब यह बात आ गई कि सिर्फ गाय, भैंस का दूध खरीदेंगे। गाय का दूध खरीदने में हाथ जोड़ते थे। यह बात अलग है की दूध में पानी मिलाकर चला दे, लेकिन कोई दूध उत्पादक घर से गाय का दूध लेने जाए तो गाय का दूध नहीं खरीदते थे। सरकार गौ माता का दूध खरीदेगी।

यूक्रेन में भारतीय दवा गोदाम पर रूस का मिसाइल अटैक

● यूक्रेन बोला-रूस जानबूझकर भारतीय कंपनियों को निशाना बना रहा

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन पर शनिवार को रूसी मिसाइल हमले में एक भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनी कुसुम के गोदाम में आग लग गई। भारत में स्थित यूक्रेनी दूतावास ने आरोप लगाया कि रूस ने जानबूझकर राजधानी कीव में भारतीय गोदाम को निशाना बनाया है। यूक्रेनी दूतावास ने कहा- आज रूस ने यूक्रेन में भारतीय कंपनी कुसुम के गोदाम पर मिसाइल से हमला किया। भारत के साथ खास दोस्ती का दावा करने वाला रूस जानबूझकर भारतीय कंपनियों पर हमला कर रहा है। गोदाम में बुजुर्गों-बच्चों की जरूरी दवाइयां थीं। हैरिस ने भी दावा किया कि रूस ने गोदाम को तबाह कर दिया।

मानसा में खालिस्तानी झंडे वाली रैली रोकी

● सिमरनजीत मान बोले-शांतिपूर्ण रैली की अनुमति मिले

मानसा (एजेंसी)। पंजाब के मानसा जिले में पुलिस ने खालिस्तानी झंडे के साथ निकलने वाली रैली को रोक दिया। गांव रड़ से शुरू होने वाली इस रैली में कहीं भी खालिस्तानी झंडा नहीं लहराने दिया गया। इस बीच, शिरोमणि अकाली दल अमृतसर के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान ने गांव रल्ला में अहम बयान दिया। मान ने बैसाखी के मौके पर कहा कि यह सिखों के लिए महत्वपूर्ण दिन है। पहले बैसाखी पाकिस्तान में मनाई जाती थी। अब तख्त श्री दमदमा साहिब में मनाई जाती है।

वक्फ बिल पर बवाल, उबल पड़ा बंगाल

टीएमसी सांसद यूसुफ पठान ने चाय पीते फोटो पोस्ट की

भाजपा का आरोप- हिंदुओं के कत्लेआम का मजा ले रहे

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। वक्फ कानून के विरोध में शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। वाहनों को आग लगाई और दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है।

15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 150 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। 300 के करीब सीआरपीएफ जवान हैं। कुल 21 कंपनियां की तैनात की गई हैं। हिंसाग्रस्त वाले इलाकों में इंटरनेट बैन है। धारा 144 भी लागू है।

राज्य में वक्फ कानून के विरोध में 10

अप्रैल से हिंसा जारी है। इस बीच टीएमसी सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने चाय पीते हुए पोस्ट शेयर की, जिस पर विवाद हो रहा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा- बंगाल जल रहा है। पुलिस चुप है। इन सबके बीच सांसद यूसुफ पठान चाय की चुस्की लेते हुए हिंदुओं के कत्लेआम के पल का आनंद ले रहे हैं। इधर, नए वक्फ कानून को लेकर दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की बैठक शुरू हो गई है। वहीं असदुद्दीन ओवैसी ने आज कहा- वक्फ कानून असंवैधानिक है। बीजेपी वक्फ बोर्ड पर कब्जा करना चाहती है। वक्फ कानून से किसी की भलाई नहीं होगी।

- **केंद्रीय गृह सचिव ने मुख्य सचिव-डीजीपी से की बात–** केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उन्होंने जल्द से जल्द सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने को कहा। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- आज (शनिवार) की घटना का ब्योरा अभी उपलब्ध नहीं है। पुलिस की ओर से गोली नहीं चली है, सीआरपीएफ की ओर से हो सकता है। ये शुरुआती जानकारी है। घायल खतरे से बाहर है। ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा- वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। मेरी अपील है कि शांत रहें। सबकी जान कीमती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों में जनसहभागिता की महती भूमिका : कलेक्टर श्री सिंह

आने वाली पीढ़ी को विरासत में दें प्रचुर जल भंडार

विदिशा (निप्र)। जल के बिना मानव जीवन अधूरा है। आने वाली पीढ़ी को हम सब मिलकर विरासत में जल भंडार के अनेकों संसाधन दें, इसी मंशा को जल गंगा संवर्धन अभियान मूर्तरूप दे रहा है। अभियान के कार्यो में हम सब की महती भूमिका है। उक्त आश्य के विचार कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिले के सीमावर्ती ग्राम घटेरा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए हैं। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कहा कि पानी का कोई विकल्प नहीं है। अतः हमारे सभी जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए उनकी साफ सफाई जरूरी है। वहीं ऐसे अनेक स्त्रोत है जिनका जीर्णोद्धार कर उन्हें पुर्नजीवित कर सकते हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम घटेरा के अतिप्राचीन तालाब में श्रमदान कर सभी को अभिप्रेरित करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों को चरितार्थ करने का अहवान किया है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि हम सब को जल का सदुपयोग करना चाहिए वही अधिक से अधिक पौधे लगाए ताकि हमारे जल स्त्रोतों को जल स्त्रोतों में पानी की उपलब्धता बनी रहे उन्होंने कहा कि पानी का उपयोग साल भर किया जाता है किंतु बारिश मात्र तीन माह होती है वर्षारूपी जल को अधिक से अधिक संजोये रखें ताकि ग्रीष्मकाल के दौरान मानव के साथ-साथ पशु पक्षियों को भी पेयजल की उपलब्धता सुगमता से हो सके उन्होंने ग्राम वार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्य योजना बनाकर उसे मूर्त रूप देने का आह्वान किया वहीं पुरानी जीर्ण-शीर्ण हुई जल संरचनाओं को पुर्नजीवित करने का विशेष अभियान चलाकर हम जिले की सभी पुरानी जल स्त्रोत संरचनाओं को पुर्नजीवित करने में अग्रणी रहे। जल गंगा संवर्धन अभियान के उक्त कार्यक्रम में स्थानीय एसडीएम, जनपद सीईओ के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ साथ ग्रामीणजनों ने श्रमदान की आहुति दी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत टिमरन नदी पर किया श्रमदान

हरदा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण एवं संवर्धन को ध्यान में रखते हुए 'जल गंगा संवर्धन अभियान' प्रारंभ किया है। यह अभियान आगामी 30 जून तक जारी रहेगा। इस अभियान के तहत जल स्त्रोतों के गहरीकरण एवं जीर्णोद्धार जैसे कार्य किए जा रहे है। इसी क्रम में गुरूवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत टिमरनी में टिमरन नदी पर भायली पुलिया घाट की साफ सफाई की गई। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री संदीप गौहर ने बताया कि गुरूवार को जन अभियान परिषद द्वारा टिमरन नदी के भायली पुलिया घाट पर साफ सफाई की गई तथा कचरे का उचित निपटान किया गया। इस दौरान स्थानीय वार्ड पार्षद, नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजा कौशल एवं वार्ड 2 के पार्षद श्री कौशल गुलशन चौरसिया, जन अभियान परिषद की संस्था परामर्शदाता सदस्यों एवं पहल संस्था के सदस्यों ने श्रमदान कर नदी के घाट पर साफ सफाई की तथा कचरा एकत्रित कर उसका निपटान किया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता एवं कवि तथा जन अभियान परिषद के मेंटर श्री मुकेश शांडिल्य, पहल संस्था के श्री नरेंद्र साकल्ले, श्री अमित माहुले एवं चयनित नवांकुर संस्था झाडबीड़ा के श्री राजेंद्र कलम सहित सामाजिक कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पीएम जनमन आवास का अवलोकन

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत पुरागुंसाई में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत हितग्राही द्वारा बनाए जा रहे आवास का अवलोकन कर लाभांवित हितग्राही हिम्मत पिता बसंत सहरिया से संवाद कर आवास स्वीकृति, बनाने तथा अन्य किन-किन योजनाओं का लाभ मिल रहा है इत्यादि की जानकारी प्राप्त की। हितग्राही ने बताया कि उन्हें अब तक प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन प्राप्त नहीं हुआ है शेष अन्य दस योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद सहायक आपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए है कि हितग्राही को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन प्रदाय करने की प्रक्रिया शीघ्रतिशीघ्र संपादित कर गृह प्रवेश के पूर्व गैस कनेक्शन दिलाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने ग्राम पुरागुंसाई में भ्रमण के दौरान सहरिया बाहुल्य बस्ती में पहुंचकर बच्चों से बडी तन्मयता से चर्चा कर उनकी शिक्षा का आंकलन किया वहीं स्कूल के माध्यम से मिलने वाली योजनाओं, के हितलाभ व गुरूजनों की उपस्थिति और अध्यापन कार्यो के पूछताछ की है। बच्चों के हाजिर जबाव मिलने पर उन्हें टाफियां प्रदाय कर पुरस्कृत किया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में संचालित की जा रही अनेक गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

घर-घर जाकर आवास योजना के फार्म की त्रुटियों में कराया जा रहा है सुधार

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार बुधनी नगर परिषद के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के प्राप्त आवेदनों की कमियों को पूर्ण कराया जा रहा है। सर्वे दल द्वारा जिन हितग्राहियों के आवेदनों में पर्याप्त एवं पूर्ण दस्तावेज संलग्न नही है, तथा जानकारी अधूरी है, उन हितग्राहियों को सभी दस्तावेजों पूर्ण करने एवं फॉर्म में पूर्ण जानकारी भरने के लिए सूचित किया जा रहा है, ताकि किसी भी पात्र हितग्राही का आवास योजना का आवेदन निरस्त न हो और उन्हें आवास योजना का लाभ मिल सके।

जिले में चलाया जा रहा है जल गंगा संवर्धन अभियान

सीहोर (निप्र)। राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, ग्राम सभाएं सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरंम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

कलेक्टर ने की राशन हितग्राहियों से ईकेवाईसी कराने की अपील

राशन हितग्राहियों की विशेष अभियान चलाकर की जाएगी ईकेवाईसी

30 अप्रैल तक चलाया जाएगा विशेष अभियान

सीहोर (निप्र)। शासन द्वारा सभी राशन हितग्राहियों की ईकेवाईसी करने तथा दोहरे, अपात्र एवं साईलेन्ट राशनकार्डों का विलोपन करने के निर्देश दिए गए हैं। शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री बालागुरू के ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, कि 30 अप्रैल तक जिले में विशेष अभियान चलाकर जिले के 10.28 लाख हितग्राहियों में से शेष रहे सभी 01.45 लाख हितग्राहियों की ईकेवाईसी कराई जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए हैं कि ईकेवाईसी के लिए शेष रहे हितग्राहियों की सूची पीओएस मशीन, स्थानीय निकाय, जेएसओ लॉगिन पर उपलब्ध है, जिसका प्रिंट निकालकर संबंधित अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत, वार्ड कार्यालय, उचित मूल्य दुकान पर प्रदर्शित कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि अभियान के अंतर्गत उचित मूल्य दुकान के विकेता, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं वार्ड प्रभारी का दल गठित किया जाए तथा इस संबंध में दुकानवार आदेश जारी किया जाए। इसके साथ ही ईकेवाईसी के लिए दल द्वारा ग्रामवार एवं मोहल्लेवार कैंप लगाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि पात्र हितग्राहियों के डाटाबेस में त्रुटिपूर्ण दर्ज अन्य व्यक्ति का आधार नंबर दर्ज होने पर सही आधार नंबर दर्ज कर पीओएस मशीन के माध्यम से सुधार किया जाए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जारी निर्देशानुसार इस अभियान की सतत मॉनिटरिंग के लिए अनुभागवार सभी एसडीएम को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही सभी नगर पालिका/परिषद सीएमओ एवं जनपद सीईओ को अभियान की प्रगति से नोडल अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले के सभी हितग्राहियों से अपील की हैं कि वह अपनी ईकेवाईसी निर्धारित तिथि 30 अप्रेल से पहल कराएं, ताकि उन्हें खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन का लाभ आगे भी प्रदान किया जा सके।

सहायक प्रबंधक की सेवाएं समाप्त करने के निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने गत दिवस ग्यारसपुर विकासखण्ड के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन के कार्यो का भ्रमण कर जायजा लिया है। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम सीहोद के गिर्राज वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन तथा ग्राम सियासी के माता बलजीत कौर वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन उपार्जन केन्द्र में पहुंचकर उपार्जन प्रक्रिया की जानकारियां प्राप्त की। वहीं मौके पर मौजूद किसानो से संवाद कर उपार्जन केन्द्रो पर बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति के संबंध में चर्चा कर क्रास मानिटरिंग की है। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केन्द्र पर बहुउद्धेशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित, सियासी के सहायक प्रबंधक संतोष कुमार राठौर के द्वारा उपार्जन कार्यो से अनभिज्ञता जाहिर करने, बिना टोकन के किसानो की उपज तौल कार्य कराने, उपार्जन केन्द्र पर निर्धारित संख्या में तौल कांटा संचालित नहीं पाए जाने तथा सर्वेयर द्वारा पास किए जाने के बावजूद गेंहू की मात्रा परीक्षण के मापदण्डो से संधारित करने तथा वारदाने के निर्धारित वजन से अधिक मात्रा में गेंहू की तुलाई करने इत्यादि कार्यो का मौके पर परीक्षण के दौरान त्रुटियां पाए जाने पर सहायक समिति प्रबंधक संतोष कुमार राठौर को तत्काल सेवा से पृथक करने के निर्देश कॉ-आपरेटिव बैंक के सीईओ श्री विनय प्रकाश सिंह को मोबाइल पर दिए।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में की गई कार्यवाही के संबंध में कॉ-आपरेटिव बैंक के सीईओ श्री विनय प्रकाश सिंह के द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार बहुउद्धेशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सियासी के सहायक प्रबंधक संतोष कुमार राठौर के द्वारा उपार्जन कार्यो में लापरवाही बरतने एवं संतोषजनक जबाव नहीं देने के फलस्वरूप समिति के सहायक प्रबंधक संतोष कुमार राठौर की सेवाएं समाप्ति का आदेश जारी कर दिया गया है।

एक मई से लागू होगा स्मार्ट पीडीएस सिस्टम

पीडीएस के सभी हितग्राहियों को 30 अप्रैल तक ईकेवाईसी कराना अनिवार्य

सीहोर (निप्र)। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा एक मई 2025 से स्मार्ट पीडीएस लागू किया जाएगा। स्मार्ट पीडीएस के सभी पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 अप्रैल तक कराई जाएगी। उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार भी सभी पात्र हितग्राहियों का ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस संबंध में सभी कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए। सीहोर कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री बालागुरू के. सहित सभी संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बुधवार को ई-केवायसी अभियान और न्यूनतम समर्थन मूल्य गेहूँ उपार्जन की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र हितग्राहियों का ई-केवायसी कर दोहरे एवं मृत हितग्राहियों के नाम सूची से विलोपित करवायें। ई-केवायसी की सुविधा पीओएस मशीन पर उपलब्ध है। मोबाइल ऐप से भी ई-केवायसी किया जा सकता है। एसीएस श्रीमती शमी ने इस कार्य में लगी टीम ग्राम/मोहल्ले में जाकर ई-केवायसी करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ई-केवायसी अभियान के दौरान राशन वितरण प्रभावित नहीं होना चाहिए। इस कार्य में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय प्रशासन विभाग के अमले का भी सहयोग लिया जाये। एसीएस श्रीमती शमी ने गेहूँ उपार्जन की प्रगति की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्र पर बारदाना एवं हम्माल/तुलावटी की समुचित व्यवस्था करें। स्लॉट बुकिंग अनुसार उपार्जन केन्द्रों में तौलकांटों की संख्या बढ़ाई जाये। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन किसानों द्वारा स्लॉट बुक कर लिया गया है, उनसे उपज विक्रय के लिये सम्पर्क करें। भारत सरकार द्वारा निर्धारित एफएक्यू मापदण्ड के गेहूँ का ही उपार्जन करें। उपार्जित गेहूँ के परिवहन पर विशेष ध्यान दें। असामयिक वर्षा से उपार्जित गेहूँ की सुरक्षा सुनिश्चित करें। किसानों को बैठने के लिये छायादार स्थल, पेयजल एवं जनसुविधा की व्यवस्था करें। बैठक में आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा, एमडी नागरिक आपूर्ति निगम श्री अनुराग वर्मा, संभागीय आयुक्त, कलेक्टर और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

टीम संडे का सुकून ने की निशुल्क चलित प्याऊ की शुरूआत

सीहोर (निप्र)। सीहोर की टीम संडे का सुकून द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान आमजनों के लिए चलित पानी की प्याऊ की शुरूआत की है। यह चलित पानी की प्याऊ पूरे शहर में घूमकर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड पर आने जाने वाले यात्रियों, उपार्जन केंद्रो पर आने वाले किसानों, सड़क किनारे छोटी दुकानें चलाने वाले विक्रेताओं को निशुल्क शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराएगी।

प्रसिद्ध कथावाचक पं प्रदीप मिश्रा एवं विधायक श्री राय ने किया सीवन नदी में श्रमदान

सीहोर (निप्र)। सीवन उत्थान समिति के आवाहन पर प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा, विधायक श्री सुदेश राय सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सीवन नदी में श्रमदान किया। इस अवसर पर कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि समिति द्वारा सीवन नदी को साफ करने एवं गहरीकरण के लिए जो पहल की जा रही है, यह बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सीवन नदी का जीर्णोद्धार केवल समिति या किसी एकमात्र व्यक्ति का कार्य नही है, बल्कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है। हम सभी का यह दायित्व है कि हम सभी मिलकर हमारे शहर की जीवनरेखा सीवन नदी को साफ-सुथरा बनाएं। उन्होंने कहा कि जब सीवन नदी में साल भर पानी रहेगा तो पहले की तरह सीवन नदी की घाटों पर पूजन अर्चना तथा धार्मिक गतिविधियां फिर से शुरू हो जाएंगे।

नलजल योजनाओं के काम गुणवत्तापूर्ण तथा समय पर करें : कलेक्टर

पेयजल संबंधी शिकायतों का करें त्वरित निराकरण - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जिले में चल रहे नलजल योजना के कार्यो समीक्षा तथा नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीइओ डॉ नेहा जैन ने जिले में चल रहे नल जल योजना एवं जल जीवन मिशन के कार्यो की विस्तार से समीक्षा की। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के तहत वर्तमान में चल कार्यो को गुणवत्तापूर्ण ढ़ग से समय सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा जो कार्य पूर्ण हो गए हैं उन्हें पंचायतों को सौंपा जाए, ताकि उन्हें प्रारंभ कराया जा सके। उन्होंने कहा कि निर्माण एवं विकास कार्यो के दौरान यदि सड़कें एवं पाइपलाइनें क्षतिग्रस्त होती हैं तो विभाग के ठेकेदारों द्वारा उसकी तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि आमजन को परेशानी न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी पेयजल सप्लाई संबंधी कार्यो की नियमित मॉनिटरिंग करें। ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके साथ पेयजल संबंधी शिकायतों के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम सक्रिय रहें तथा अधिकारी पेयजल संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। इसके साथ ही पेयजल से संबंधित विभागीय सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित एवं संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नलजल योजनाएं सुचारू रूप से संचालित हो सके इसके लिए यह आवश्यक है, सभी उपयोगकर्ताओं से जलकर जमा कराया जाए। इसके साथ ही जिन क्षेत्रों में नलजल योजना संचालित हो रही है, उन क्षेत्रों के नागरिक इस योजना से वंचित न रहें यह सुनिश्चित किया जाए।

जल गंगा संवर्धन अभियान का हो प्रभावी क्रियान्वयन

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक में सभी नोडल विभाग के अधिकारियों को निर्देश कि जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी संचालन करें। उन्होंने निर्देश दिये है कि जिले में शासन द्वारा चलाये जा रहे अभियान की सभी गतिविधियां संचालित की जाएं तथा इन गतिविधियों को पोर्टल पर भी अपलोड की जाएं। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश सरकार की प्राथमिकता का अभियान है, सभी विभाग यह प्रयास करें कि इस अभियान की सभी गतिविधियों में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

राजधानी में हनुमान जन्मोत्सव की धूम, मंदिरों में भारी भीड़, गूंज रहे जयकारे

भोपाल। राजधानी में श्री हनुमान जन्मोत्सव की धूम है। मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन चल रहे है। यहां पूजा अर्चना करने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है। न्यू मार्केट स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में प्रकटोत्सव पर आयोजन धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिर को आकर्षक सजाया गया है वहीं यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन करने कोई परेशानी न हो इसके लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई है। दोपहर 12 बजे यह महाआरती हुई। इस मौके पर यहां पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व विधायक पीसी शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, नगर निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी एवं मंदिर ट्रस्ट के गोपाल मेहता, आरसी जैन, संजू अग्रवाल और सुरेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इसके बाद भंडारा होगा। मंदिर की विशेषता मनोकामना शिला है। जहां भक्त अपनी इच्छाएं लिखते हैं। लगभग 45 वर्ष पुराना यह मंदिर शहर के केंद्र में स्थित है। मरघटिया महावीर मंदिर में भी आयोजन शाहजहांनाबाद स्थित मरघटिया महावीर मंदिर में विशेष आयोजन चल रहे है। आज अखंड रामायण पाठ, मंगल

आरती और भंडारा होगा। जहांगीराबाद स्थित श्री राम मंदिर खटलापुरा में शाम 5 बजे से भंडारे और 7 बजे से महाआरती व भजन संध्या का आयोजन होगा। पांच क्विंटल फूलों से मंदिर को सजाया गया है। इसके साथ ही कई मंदिरों में विशेष आयोजन चल रहे है।

भोपाल। परशुराम मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर एक शाम छींद वाले दादा जी के नाम संगीतमय सुंदरकांड में महापौर मालती राय ने सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की।

भोपाल। पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता की उपस्थिति में वार्ड क्रमांक 32 के अंतर्गत गीतांजलि चौराहे के पास स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल में हनुमान जी महाराज के जन्म उत्सव के अवसर पर सुंदरकांड का पाठ महाआरती एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

भिक्षावृत्ति के खिलाफ विभिन्न चौराहों पर अभियान चलाया गया

भोपाल (नप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भोपाल श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के विगत दिवस आदेशानुसार भोपाल जिले को भिक्षावृति से पूर्णरूप मुक्त कराने के अभियान में गुरुवार को एमपीनगर एसडीएम श्री एल.के. खरे के नेतृत्व में व्यापम चौराहा, बोर्ड ऑफिस, ज्योति टॉकीज, डीबी मॉल चौराहा पर भिक्षावृत्ति के खिलाफ अभियान चलाया गया। जिसमें अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग, कलेक्टर कार्यालय से श्रीमती करुणा रघुवंशी तथा श्री संजय गौतम एवं सामाजिक न्याय विभाग से श्री वीरेंद्र कोरी तथा श्रम विभाग से श्री अरुण कुमार साहू अभियान टीम में शामिल हुए। बोर्ड ऑफिस चौराहा पर दो व्यक्ति कमला बाई पति बाबूलाल, उम्र 55 वर्ष तथा झनक लाल यादव पिता परसादी लाल यादव, उम्र 67 वर्ष, भीख मांगते पाए जिन्हें समझाइश देकर आश्रय गृह कोलार रोड, भोपाल में रखा गया। अभियान के दौरान यह देखने में आया कि भिखारियो ने अब भीख मांगने का नया तरीका खोजा है जिसके तहत वह अपने पास पेन,अखबार, स्टिकर जैसी चीजें रखकर उसकी आड़ में भीख मांगते हैं तथा उन पैसों से नशा करते हैं, ऐसे कार्य करने वाले लोगों को भी एसडीएम द्वारा समझाइश दी गई। अभियान से जहां भोपाल शहर भिक्षावृत्ति मुक्त होगा, वही आश्रय गृह में भिखारियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेकों कार्य की व्यवस्था की गई जिससे वह आत्मनिर्भर होकर समाज की मुख्य धारा में शामिल होकर सम्माननीय जीवन - यापन कर सके।

नेशनल लोक अदालत हेतु प्री सिटिंग बैठक का आयोजन

भोपाल (नप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमान मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति मे एवं नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत विशेष न्यायाधीश श्रीमान राजर्षि श्रीवास्तव एवं सचिव श्री सुनीत अग्रवाल की उपस्थिति में दिनांक 11 अप्रैल 2025 को आगामी नेशनल लोक अदालत ,दिनांक 10 मई 2025 के सफल आयोजन हेतु नगर निगम, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग, यातायात पुलिस, कलेक्ट्रेट, जिला पंचायत, दूरसंचार विभाग, स्मार्ट सिटी के अधिकारियों के साथ संबंधित न्यायाधीशगण एवं नोडल अधिकारीगण की उपस्थिति में प्री-सीटिंग बैठक का आयोजन किया गया।

मां काली के दरबार में प्रसाद वितरण हुआ

भोपाल (नप्र)। भोपाल दादाजी दरबार परिवार के द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी विशाल प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया यह जानकारी दादाजी परिवार के सदस्य राजीव गुलाटी ने उन्होंने बताया की पिछले दो वर्षो से लगातार प्रति रविवार मां काली के दरबार में प्रसाद वितरण का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर पार्षद प्रियंका शर्मा में पहुंचकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया एवं हनुमान जयंती की सभी देशवासियों को बधाई दी इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण एवं दादाजी परिवार के सदस्य मौजूद थे

प्रभु ईशु मसीह की शिक्षाओं को स्मरण किया जाएगा: फादर मार्टिन

भोपाल (नप्र)। (पाम संडे) मसीह समाज के 40 दिवसीय उपवास काल समापन की ओर हैं। इस कड़ी में कल खजूर का रविवार के रूप में कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट चर्च में स्मरण किया जाएगा । फादर अनिल मार्टिन ने बताया कि विशेष कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन गोविंदपुरा स्थिति सेंट जॉन चर्च में भी किया जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर संगीतमय एवं भक्तिमय हनुमान चालीसा पाठ

भोपाल। संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय संगीतमय हनुमान चालीसा के पाठ का प्रारम्भ किया था। आज दिनांक 12.04.2025 शनिवार को विद्यालय प्रांगण में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन हुआ। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री सुशील वासवानी, सचिव श्री बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष श्री चन्दर नागदेव, एवं सेवा भारती मध्य भारत प्रांत के संयोजक युवाम् मुख्य वक्ता श्री संकल्प दीक्षित, महानगर पूर्णकालिक करण सिंह, महानगर सह प्रमुख कार्तिक सक्सेना बच्चों का उत्साह वर्धन करने के लिए उपस्थित हुए और एक हजार बच्चों के साथ अनुशासन में स्वरबद्ध हनुमान चालीसा का

पाठ किया। इस अवसर पर सर्वप्रथम संस्था के सचिव श्री बसंत चेलानी ने जय सियाराम के जयघोष के साथ बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ''संकट आए या तूफान हमेशा साथ रहे हनुमान'' आज बहुत ही सौभाग्य का दिन है कि शनिवार और हनुमान जन्मोत्सव एक साथ आया है और हमारे विद्यालय में हर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, इसलिए आज के शुभ दिन भी हमें हनुमान चालीसा का पाठ करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, मैं चाहता हूं कि मध्य प्रदेश के साथ-साथ देश के प्रत्येक स्कूल में प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होना चाहिए। संस्था के अध्यक्ष श्री सुशील वासवानी ने कहा कि आज शनिवार के साथ हनुमान जन्मोत्सव है, जहां पर हनुमान जी का पाठ होता है वहां हनुमान जी साक्षात् रहते हैं, हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मेरी प्रार्थना है कि हनुमान जी हम सबको सद्बुद्धि दे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित सेवा भारती मध्य भारत प्रांत के संयोजक युवाम् मुख्य वक्ता श्री संकल्प दीक्षित जी ने सभी को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई दी और कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज के दिन मुझे आप सबके बीच हनुमान चालीसा का पाठ करने का अवसर प्राप्त हुआ। पंचतत्वों में एक वायु के पुत्र हनुमान जी कहलाते हैं, शंकर जी उनके गुरू हैं हम को गर्व होना चााहिए कि सनातन धर्म को मानने वाले संस्कार विद्यालय में हम शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

गढ़वाली समाज ने प्रदर्शन कर दी चेतावनी

भोपाल (नप्र)। गढ़वाली समाज ट्रस्ट ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से अपील की है कि नीलवर निवासी भगत सिंह नेगी के पुत्र, 33 वर्षीय दिनेश सिंह नेगी, का अपहरण होने की घटना में त्वरित कार्रवाई की जाए। दिनेश नेगी का अपहरण 29 मार्च 2025 की रात 2 बजे चार अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किया गया था। इस घटना की सूचना उनकी बहन अंजलि नेगी ने दी, और इसे थाना रातीबड़ में भी दर्ज कराया गया। दिनेश का मोटरसाइकिल, जो उनकी भाभी के नाम पर है, गैरतगंज से लापता पाया गया है। 10 दिन बीत जाने के बावजूद, पुलिस ने अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। समाज के लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है, और यदि जल्द ही कार्यवाही नहीं की गई, तो गढ़वाली समाज तीन दिन बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करेगा। ट्रस्ट ने निखिल ठाकुर की गिरफ्तारी की भी मांग की है, जो घटना के समय दिनेश के निकटता में थे। परिवार की चिंता बढ़ती जा रही है, क्योंकि दिनेश का अब तक कोई पता नहीं चला है, और यह स्थिति भगत सिंह नेगी सहित परिवार के लिए गंभीर मानसिक तनाव का कारण बन रही है। प्रशासन से अपेक्षा है कि वे जल्द से जल्द कार्रवाई करें, अन्यथा समाज की ओर से सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

वन्दे मातरम् समिति द्वारा प्रति द्वितीय शनिवार को आओ घर मिले चाय पर कार्यक्रम में पक्षियों के पीने के लिए पानी के सकोरे वितरित किए गए। इस माह यह कार्यक्रम पयोज जोशी के निवास के सामने स्थित मंदिर में आयोजित हुआ। हनुमान जयंती पर हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया।

वैश्य घटकों के अध्यक्षों के साथ हुआ संवाद

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि आगामी 22 अप्रैल 2025 को वैश्य घटकों के सम्मानीय प्रदेश अध्यक्षों के साथ होटल ओसियन ब्रिज पटेल नगर भोपाल में संवाद कार्यक्रम रखा गया है घटकों में अग्रवाल, श्वेतांबर जैन, दिगंबर जैन,केशरवानी समाज, असाटी समाज, कसौधन वैश्य, कन्यकुब्ज, हलवाई समाज, मेंढतवाल समाज, स्वर्णकार समाज चौरसिया महासभा, कलचुरी जायसवाल, तेली समाज महर्षि समाज पोरवाल समाज कच्छी गुजराती समाज माहौरवेज समाज चित्तौड़ वैश्य समाज अग्रहरि समाज दूढ़ ओमरे समाज, सिरोंजिया अग्रवाल समाज, साहू समाज के प्रमुख लोग सम्मिलित होंगे आज दिनांक 10 -4-25 को वैश्य महासम्मेलन बैठक संपन्न हुई जिसमें 22 अप्रैल 2025 की बैठक व्यवस्था पर चर्चा हुई, आवास व्यवस्था भोजन व्यवस्था पंजीयन व्यवस्था यातायात व्यवस्था प्रचार व्यवस्था के प्रभारी बनाए गए बैठक में शिरोमणि संरक्षक श्री उमाशंकर गुप्ता पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर अग्रवाल ओपी बंसल योगेश गुप्ता चंद्र कुमार जैन डॉक्टर पी के जैन जगदीश मित्तल विजय झाझरी अशोक अंबर, अशोक गुप्ता असाटी, सूर्यकांत गुप्ता, कुंज बिहारी गुप्ता, तरुण गुप्ता, श्रीमती रश्मि गुप्ता, राकेश जैन, प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

राज्य स्तरीय औद्योगिक आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल 17 अप्रैल को बीएचइएल मैं होगी आयोजित

भोपाल (नप्र)। औद्योगिक आपदा प्रबंधन विषय पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज आयोजन म.प्र. के धार, उज्जैन इन्दौर, देवास. सीहोर, छिंदवाडा, जबलपुर सिंगरोली, रायसेन तथा भोपाल में आयोजित किये जायेंगे भोपाल जिले में 17 अप्रैल 2025 दिन गुरूवार को 09.30 बजे से बी.एच.ई.एल औद्योगिक संस्थान में किया जायेगा आपदा प्रबंध प्रशिक्षण एवं क्षमता वृध्दि कार्य के अंतर्गत भोपाल जिले में रासायनिक/औद्योगिक दुर्घटना विषय पर प्रशिक्षण, एक्सरसाइज 17 अप्रैल 2025 पूर्वाह् 09.30 बजे से 01.30 तक किया जायेगा इसी संबंध में 15 अप्रैल को प्रातः 10.00 बजे से 01.30 बजे तक टेबल टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया जायेगा

कलेक्टर सभाकक्ष में मॉक ड्रिल की तैयारियों के संबंध में श्री बृजेश जयसवाल वरिष्ठ सलाहकार मध्य प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया बैठक में श्री जयसवाल ने बताया कि बताया गया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में रायानिक आपदा को लेकर 10 जिलों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत भोपाल जिले में राज्य स्तरीय फायर एक्सप्लोजन को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की जायेगी जिसमें सभी महत्वपूर्ण एन.डी.आर.एफ. एस.डी.आर.एफ. जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिला स्तरीय इंसिडेंट रिस्पोंस टीम एयरपोर्ट, रेल्वे, टेलीकॉमनिकेशन, सेना, शशस्त पुलिस बल, सी.आई.एस.एफ जिला पुलिस के नोडल अधिकारी मॉक ड्रिल में हिस्सा लेंगें मॉक ड्रिल के अंतर्गत रासायनिक/औद्योगिक दुर्घना का परिदृष्य आयोजित कर कि

पुलिस ने 5 जिंदा कारतूस सहित 12 बोर की 2 बंदूक की बरामद

वन्य प्राणियो के शिकार के उद्देश्य से रखा था अवैध हथियार

भोपाल (नप्र)। पुलिस ने 5 जिंदा कारतूस सहित 12 बोर की 2 बंदूक की बरामद। आरोपी ने अपने खेत पर वन्य प्राणियो के शिकार के उद्देश्य से रखा था अवैध हथियार। आरोपी पर पूर्व में दर्ज हुआ हो चुका है वन्य प्राणी अधिनियम के तहत मामला दर्ज।

थाना शाहगंज प्रभारी दिनेश सिंह चौहान से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक जिला सीहोर दीपक कुमार शुक्ला एवं अति.पुलिस अधीक्षक श्रीमति सुनीता रावत के द्वारा जिले में अवैध हथियार रखने वालो के विरुद्ध लगातार कार्यवाही के निर्देश प्राप्त हुए थे। इसी क्रम में एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा के मार्गदर्शन में लगातार कार्यवाही जारी है। इसी तारतम्य में थाना प्रभारी शाहगंज दिनेश सिंह चौहान को मुखबिर से सूचना प्राप्त कि ग्राम खटपुरा का आमिर खान अपने खेत में बने टपरे में वन्य प्राणियो के शिकार के उद्देश्य से अवैध हथियार रखे है । मुखबिर सूचना की तस्दीक हेतु तत्काल टीम मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान आमिर खान के कोली वाले खेत पर बने टापरे के पास पहुँची जहा पर आमिर खान पिता वासिद खान उम्र 36 निवासी म.न. 08 ऐशबाग रोड बरखेडी भोपाल तथा हनीफ कालोनी हाउसिगं बोर्ड करोंद भोपाल हाल ग्राम खटपुरा को घेराबंदी कर पकडा। उसके पास से 05 जिंदा कारतूस व 02 बंदूक 12 बोर की मिली । आमिर खान से बंदुकों व कारतूसों को रखने के संबंध में वैध कागजात माँगे तो कोई कागजात नही होना बताया । आरोपी आमिर खान को दो नग 12 बोर बंदुक व 5 नग जिंदा कारतूस अवैध रुप से रखे पाये जाने से आरोपी का कृत्य धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत् दण्डनीय पाया जाने से मौके पर उपस्थित पंचान के समक्ष आरोपी आमिर खान से विधिवत जप्त कर मौके पर सील बंद किया गया। इसके बाद आरोपी आमिर खान को गिरफ्तार किया गया । आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र. 101/25 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । आरोपी के विरुध्द थाना तलैया भोपाल में वर्ष 2018 वन्य प्राणी अधिनियम के तहत मामला दर्ज होना पाया गया है। उक्त कार्यवाही में निरी. दिनेश सिंह चौहान, सउनि रंजीत सिंह, प्र.आर. सचिन जाट, आर अनुज यादव, आर. संदीप, आर दिनेश अहिरवार , आर. दिनेश गठोले, आर. सचिन इनवाती, सैनिक चिंतामन साहू आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

आरजीपीवी में करोड़ो के घोटाले का पदार्फाश करने फ्रांड डिटेक्शन ऑडिट का आदेश

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में हुए वित्तीय घोटालों की परतें खोलने के लिए फ्रॉड डिटेक्शन ऑडिट कराया जाएगा। खास बात यह है कि विश्वविद्यालय विगत दो या चार नहीं बल्कि नौ वर्ष यानि वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2023-24 तक की अवधि के लिए फॉरेंसिक ऑडिट कराने जा रहा है। इससे उम्मीद की जा रही है कि विगत एक साल से घोटाले के नाम से मशहूर हो चुकी आरजीपीवी में हुए घोटालों की वास्तविक स्थिती स्पष्ट हो सकेगी। यह फॉरेंसिक ऑडिट स्पार्क एण्ड एसोसिएट से कराए जाने का आदेश जारी हुआ है।

इस के तहत कंपनी के ट्रेंड सीए ट्रांसेक्शन, डाक्यूमेंट कॉन्ट्रेक्ट, परचेज आर्डर, विवि के संचार माध्यम ई-मेल, नोट शीट आदि उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर कड़ी से कड़ी जोडकर विस्तृत इंवेस्टिगेशन

9 साल का हिसाब होगा साफ

करेंगे। जांच का दायरा काफी व्यापक होगा। एक साल पहले 19.48 करोड़ का घोटाला उजागर होने और इसमें विवि के आला अधिकारियों की संलिप्पता, अकाउंटस में हेरफेर, के कारण बड़े घोटाले का अंदेशा जताया जा रहा है।

हालात के मद्देनजर माना जा रहा है कि यह आर्थिक घोटाला कई सौ करोड़ का हो सकता है। इसलिए तभी से सबकी नजरें शासन द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट पर टिकी हैं। लेकिन यह समिति भी एक साल में किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी है। इसका मुख्य कारण है-लेखा शाखा में खातों व लेजर से संबंधित दस्तावेजों की भारी कमी और अव्यवस्था। इसके चलते अब तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के निर्देश पर विवि प्रशासन ने वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2023-24 तक की अवधि के लिए फॉरेंसिक ऑडिट कराने का निर्णय लिया है। आरजीपीवी में बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन से संबंधित दस्तावेज इतने असंगठित हैं कि जांच समिति को किसी भी स्तर पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। रिकॉर्ड की इस बदहाली के कारण न केवल पिछली वित्तीय गतिविधियों की समीक्षा बाधित हुई है, बल्कि विश्वविद्यालय की वर्तमान वित्तीय स्थिति का आकलन भी संभव नहीं हो सका है। इसकी एक प्रमुख वजह यह भी है कि विवि में कार्यरत लेखा शाखा के अधिकारी और बाबू इस कार्य के लिए योग्य नहीं हैं। उन्होंने रिकार्ड मेंनटेन नहीं किए हैं और सालाना ऑडिट रिर्पोट को संज्ञान में लेते हुए उपयुक्त कार्यवाही नहीं की है।

16 अप्रैल तक मांगी सहमतिः आरजीपीवी प्रशासन ने 26 दिसंबर 2024 को फॉरेंसिक ऑडिट के लिए विज्ञापन जारी किया था। ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से चयनित स्पार्क एण्ड एसोसिएट कायादेश सौंपा गया है। फर्म को 2015-16 से 2023-24 तक के वित्तीय लेन-देन, खातों की संधारण प्रक्रिया और संभावित अनियमितताओं की बारीकी से जांच करनी होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऑडिट फर्म को निर्देशित किया है कि वह 16 अप्रैल 2025 तक कायादेश पर अपनी सहमति प्रेषित करे। साथ ही, उसे वर्क ऑफ स्कोप के अनुसार तय समय-सीमा में जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपनी होगी।

|| संपादकीय ||

भविष्य की आहट

डा. रवीन्द्र अरजरिया

सरकारी सुरक्षा में रहने वाले राष्ट्रद्रोहियों को करना होगा चिन्हित

राष्ट्रभक्तों की कमाई पर अव्यवस्था फैलाने वालों को सुरक्षा प्रदान करने वाली नीतियां बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। देश के ईमानदार करदाताओं से वसूली जाने वाली धनराशि का एक बडा हिस्सा राजनैतिक दलों के आकाओं से लेकर कथित प्रभावशाली लोगों की सुरक्षा में खर्च किया जा रहा है। ऐसे लोगों का एक बडा तबका सरकारी सुरक्षा में आनन्दित जीवन जीते हुए अपने वक्तव्यों, आचरणों और कृत्यों से जातिगत उत्तेजना, सम्प्रदायगत वैमनुष्यता सहित राष्ट्रविरोधी वातावरण तैयार करने में निरंतर लगा हुआ है। विदेशी ताकतों की कठपुतली बने ऐसे लोगों का उपयोग दे

श के अन्दर वैमनुष्यता फैलाने, आन्तरिक कलह पैदा करने तथा राष्ट्र को अस्थिर करने लिये निरंतर किया जा रहा है। सरकारी सुरक्षा घेरे में रहने वाले अनेक लोगों व्दारा सार्वजनिक रूप से उत्तेजनात्मक कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। कहीं जातिगत खाई चौडी करने की घातक योजनाओं को अमली जामा पहनाने की कसमें खाई जा रहीं हैं तो कहीं साम्प्रदायिक ज्वालामुखी फोडने की कोशिशें हो रहीं है। बंगाल में तो केन्द्र सरकार के बाद अब उच्चतम न्यायालय के आदेशों को भी न मानने की सरेआम घोषणा की जा रही है। आश्चर्य तो तब होता है जब कानूनी रूप से सुरक्षा पाने वाले लोग ही कानून की धज्जियां उडाने जैसे कृत्य करते हैं और उन पर कोई प्राथमिकी तक दर्ज नहीं होती। इसके लिए बंगाल एक जीता जागता उदाहरण है जहां केन्द्रीय एजेन्सियों तक पर गुण्डों की जमातें हावी होती रहीं हैं। एक खतरनाक आरोपी को बचाने हेतु वहां की सरकार ने उच्चतम न्यायालय तक के दरवाजे पर दस्तक दी थी।

अब शिक्षकों की नियुक्ति वाले प्रकरण में तो वहां की तृणमुल कांग्रेस की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उच्चतम न्यायालय के आदेश तक को मानने से इंकार कर दिया है, फिर भी वे खुलेआम प्रदेश सरकार की मुखिया बनी बैठीं हैं। दिल्ली राज्य की विगत सरकार में आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविन्द केजरीवाल ने तो सलाखों के पीछे से ही सरकार चलाई थी। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कान्फ्रेंस सरकार के मुखिया उमर अब्दुल्ला ने तो राज्य को मुस्लिम राज्य के रूप में प्रचारित करना भी शुरू कर दिया है। इन कुछ उदाहरणों के अलावा अनगिनत घटनायें हैं जो सुरक्षा घेरे में रहने वालों के राष्ट्रद्रोही कार्यों को उजागर करतीं हैं। साम्प्रदायिक तनाव के जन्मदाताओं को राष्ट्र विरोधी कार्य करने के पूरी छूट दी गई है। वे जहां चाहें, जो चाहें, करें। उनके सारे अपराधों को निरंतर अदृष्टिगत करने का रिवाज स्वाधीनता के पहले चल रहा था जिसे देश के संविधान मे नि:संकोच स्थान देकर समरथ को नहिं दोष गोसाईं वाली कहावत से जुडी व्यवस्था को यस का तस लागू कर दिया गया ताकि प्रभावशाली लोगों को कानून के दायरे से बाहर रखा जा सके। एक समय था जब सत्ता के अहंकार में डूबी बहुजन समाज पार्टी ने सार्वजनिक मंचों से जातिगत नामों के साथ... जूता मारो सालों को, जैसे नारे बुलंद किये थे। वर्तमान में वैसा ही वातावरण आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा नगीना के सांसद चन्द्रशेखर आजाद रावण व्दारा निर्मित करने का प्रयास हो रहा है।

मुसलमानों का रहनुमा बनने की कोशिश में लगे आल इण्डिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के सुल्तान असदुद्दीन ओवैसी तो हमेशा से ही कथित रुप से देश में साम्प्रदायिक आग लगाने का काम करते रहे हैं। मजहब के नाम पर सियासत करने वालों में वे अकेले नहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी की उमा भारती से लेकर योगी आदित्यनाथ तक के नाम भी ऐसे ही नेताओं की श्रेणी में शामिल है जिन्होंने हमेशा ही भेद डालो, राज करो का सिध्दान्त अपनाया है। यूं तो देश की स्वाधीनता के तत्काल बाद ही मजहब के नाम पर हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का बटवारा हुआ था परन्तु तब तत्कालीन प्रायोजित नेताओं ने अपने आकाओं व्दारा पूर्व निर्धारित षडयंत्र के तहत हिन्दुस्तान को हिन्दुस्तान नहीं बनने दिया और कथित धर्म निरपेक्षता की आड में विष वृक्ष का बीजारोपण कर दिया था।

उस समय बंगाल लेकर पंजाब तक, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक अहिंसावादियों की लाशों का भयावह मंजर था जिस पर बैठकर सियासत करने वालों की आगामी पीढियों ने आने वाले समय में जनसंख्या के अनुपात को एकपक्षीय करने की नियत से हिन्दुओं की जबरन नसबंदी करवायी, अल्पसंख्यकों के नाम पर सुविधाओं के पिटारे खोले और पात्र उम्मीदवारों की प्रतिभा का कत्ल करके अयोग्य लोगों को आरक्षण के नाम पर सरकारी तंत्र में बैठाया ताकि वे चयनित सरकारी सेवकों को कठपुतली बनकर नाचते रहें। यह सत्य है कि गुजरे जमाने की धूल झाडने से छुपे नासूरों का मवाद एक बार फिर अपनी दुर्गन्ध से वातावरण को प्रदूषित कर देगा परन्तु अतीत की गवाही पर वर्तमान का भविष्य टिका होता है। आज के हालातों को देखकर आने वाले कल की सुखद कल्पनायें करने की तरंगें भी साथ छोडती नजर आ रहीं है। आगामी दस वर्षों में सब कुछ बतलने की संभावा बलवती होती जा रही है। सरकारी खर्चे पर सुरक्षाकर्मियों के घेरे में रहने वाले अनेक लोगों को लाल बत्ती की सौगातें भी मिलीं हैं। उनके लिए प्रोटोकाल की व्यवस्था भी की गई है।

ऐसे लोगों के उत्तेजनात्मक और घातक शब्दों को प्रयोग करते हैं जिन्हें अनेक प्रायोजित मीडिया हाउस वरदान की तरह स्वीकार करके उन्हें प्रमुखता से समाज के सामने प्रस्तुत कर देते हैं। किसी भी व्यक्ति, समाज या सम्प्रदाय के विरुध्द अपमानजनक शब्दों को परोसने वालों को इस कृत्य के लिए उपहार स्वरूप सुरक्षा का एक और घेरा प्रदान कर दिया जाता है ताकि वे बिना किसी डर-भय के अपनी हकरतें जारी रख सकें। ऐसे लोग अपनी राष्ट्रद्रोही विचारधारा को व्यक्त करके ज्यादा सुरक्षित, ज्यादा चर्चित और ज्यादा लोकप्रिय हो जाते हैं। दूसरी ओर घातक वक्तव्यों पर प्रतिक्रिया स्वरूप उठने वाली अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वाले कृत्यों को असंवैधानिक बताते हुए कानूनी शिकंजा कसा जाता है। कहीं आतंक को भीड मानकर माफी दी जाती है तो कहीं स्वाभाविक विरोध को भी अपराध की श्रेणी में रखा जाता है।

कानून को हाथ में लेने वाले, सरकारी-निजी सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले, पूर्व नियोजित षडयंत्र का अंग बनने वाले प्रभावशाली लोगों के आपराधिक कृत्यों पर अक्सर न तो स्वत:संज्ञान ही लिया जाता है और न ही आम आवाम के आवेदनों पर प्राथमिकी ही दर्ज होती है। ऐसे राष्ट्रद्रोहियों की सुरक्षा, व्यवस्था और सुविधाओं पर देश के ईमानदार करदाताओं के खून-पसीने की कमाई को लुटाया जा रहा है। वे थप्पड मारें तो ठीक, उनका विरोध करने की कोशिश भी अपराध। वास्तविकता तो यह है कि राष्ट्रद्रोहियों को मिलने वाली सरकारी सुरक्षा समाप्त होते ही राष्ट्रभक्तों व्दारा उन्हें उनकी कलुषित मानसिकता का परिणाम मिलते देर नहीं लगेगी। लाल बत्ती और सुरक्षाकर्मियों के हटते ही कथित प्रभावशाली व्यक्ति को राष्ट्रविरोधी षडयंत्र का अंग बनने के पहले लाख बार सोचना पडेगा। अब समय आ गया है जब सरकारी सुरक्षा में रहने वालों में राष्ट्रद्रोहियों को चिन्हित करने के लिए आम आवाम को आगे आना होगा तभी मेहनत की कमाई का उपयोग राष्ट्र के विकास में हो सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

अमेरिका ईरान के बीच मस्कट में न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर वार्ता संपन्न -19 अप्रैल 2025 को फ़िर बैठक

वार्ता को लेकर ईरान अमेरिका के अलग-अलग दावे- ईरान ने अप्रत्यक्ष वार्ता बताया तो अमेरिका ने प्रत्यक्ष बताया

मस्कट में 12 अप्रैल 2025 को हुई वार्ता की करें तो,ईरान और अमेरिका के दूतों ने शनिवार को ओमान में तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू की। हालांकि तत्काल कोई समझौता होने की संभावना नहीं थी,लेकिन दोनों देशों के बीच आधी सदी से चली आ रही दुश्मनी के कारण बातचीत में बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ है।

वैश्विक स्तरपर चल रही अशांति, युद्ध,बम गोला बारूद के बीच रूस-यूक्रेन इजरायल- गाजा में युद्ध व लेबनान सीरिया व यमन में अशांति के बीच एक सकारात्मक पहलू हुआ कि ओमान की राजधानी मस्कट में ईरान अमेरिका के बीच न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर वार्ता हुई, जिसे ईरान ने अप्रत्यक्ष वार्ता बताया तोअमेरिका ने प्रत्यक्ष बताया जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। लंबे समय से दुश्मन रहे ईरान और अमेरिका शनिवार (12 अप्रैल, 2025) को मस्कट में संभावित परमाणु समझौते पर पहुंचने के उद्देश्य से वार्ता किए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार (7 अप्रैल, 2025) को चौंकाने वाली घोषणा की थी। परंतु मेरा मानना है कि दुनियाँ के हर देश को वैश्विक शांति के लिए ज़रूरत के अनुसार चार कदम पीछे हटना चाहिए व पावर दिखाने वाले देशों को भी नम्र होकर शांति समझौते करना समय की मांग है।चूँकि अमेरिका ईरान के बीच मस्कट में न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर वार्ता हुई,जो 19 अप्रैल 2025 को फिर बैठने का निर्णय लिया गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने,कूटनीति को सद्भावना, सहयोग, मुद्दे सुलझाने के संकल्प कर सकारात्मक नतीजे के अंजाम तक लाना जरूरी है। बता दें यह पूरी जानकारी मीडिया में अपडेट्स के सहयोग से उठाई गई है।

साथियों बात अगर हम मस्कट में 12 अप्रैल 2025 को हुई वार्ता की करें तो,ईरान और अमेरिका के दूतों ने शनिवार को ओमान में तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू की। हालांकि तत्काल कोई समझौता होने की संभावना नहीं थी,लेकिन दोनों देशों के बीच आधी सदी से चली आ रही दुश्मनी के कारण बातचीत में बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ है। हाल के दिनों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को धमकी दे रहे हैं कि अगर वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ आम सहमति बनाने में विफल रहता है तो वह ईरान को ऐसा करने से रोकेगा।राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाते हुए तेहरान पर हमला करने की धमकी दी है, यदि समझौता नहीं हुआ,इसपर ईरान ने चेतावनी दी है कि वह हथियार स्तर के करीब संवर्धित अपने यूरेनियम भंडार के साथ परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकता है। ईरान ने वार्ता को 'अप्रत्यक्ष' बताया,ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में

कहा,ये वार्ता ओमानी मेजबान द्वारा नियोजित स्थान पर होगी, जिसमें इस्लामी गणराज्य ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि हॉल और किनारों में बैठेंगे, तथा ओमानी विदेश मंत्री के माध्यम से एक-दूसरे को अपने विचार और स्थिति से अवगत कराएंगे, जबकि ट्रंप और विटकॉफ दोनों ने वार्ता को प्रत्यक्ष बताया है, ईरानी पक्ष इसे अप्रत्यक्ष वार्ता कहता है।लेकिन दोनों दलों के बीच सीधी वार्ता नहीं हो रही है।दोनों दल अलग- अलग कमरों में बैठे हैं और वे ओमान के विदेश मंत्री के जरिये वार्ता कर रहे हैं। यह जानकारी ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर दी है।

साथियों बात अगर हम ईरान अमेरिका वार्ता के बैकग्राउंड की करें तो,अमेरिका-ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। इस बीच ईरान की शनिवार को अमेरिका के साथ ओमान में बातचीत हुई है। ओमान में हुई इसी बैठक को लेकर ईरान ने बड़ा बयान दिया था। विदेश मंत्री ने कहा था कि ईरान ईमानदारी से न्यूक्लियर डील को अंतिम रूप देने के इरादे से बातचीत में शामिल होने को तैयार है, लेकिन साथ ही उन्होंने साफ किया कि ये वार्ता सीधी नहीं बल्कि अप्रत्यक्ष होगी, और अमेरिका को पहले ये मानना होगा कि सैन्य विकल्प कोई विकल्प नहीं है,हाल ही में अमेरिका केराष्ट्रपति ने ईरान को न्यूक्लियर डील पर बातचीत कहने को कहा था और साथ ही धमकी दी थी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो ईरान को बमबारी का सामना करना पड़ेगा।ट्रंप की चेतावनी थी, बात नहीं बनी तो भुगतना होगा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार को व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान वार्ता का खुलासा करते हुए चेतावनी दी थी कि अगर बातचीत नाकाम रही, तो ईरान के लिए ये बहुत बुरा दिन होगा। ईरान के विदेश मंत्री ने वॉशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक लेख में लिखा है कि हमारा देश गर्वित है, और दबाव या धमकी के आगे नहीं झुकेगा, उन्होंने कहा कि अमेरिका अगर ईमानदार है, तो उसे साबित करना होगा कि वह डील को निभाएगा, ईरान कभी भी परमाणु हथियारों की दिशा में नहीं बढ़ा, लेकिन हम अपनी मंशा को लेकर स्पष्टीकरण देने को तैयार हैं।

साथियों बात अगर हम ईरान अमेरिका तनाव में इजरायल की एंट्री की करें तो, ईरान अमेरिका के बीच चल रही तनातनी में अब ईजराइल ने भी एंट्री मार ली है। दरअसल इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा है कि वह ईरान के लिए लीबिया जैसा मॉडल चाहते हैं, जहां अमेरिका खुद जाकर परमाणु स्थलों को खत्म करे, उन्होंने कहा है कि अगर अमेरिका के साथ ईरान की बात नहीं बनी, तो सैन्य कार्रवाई तय है। ईरान की दो टूक न डील खत्म करेंगे, न झुकेंगे ईरानी अधिकारियों ने बीबीसी को बताया कि वे अपने परमाणु कार्यक्रम को कभी नहीं खत्म करेंगे और लीबिया मॉडल किसी भी हालत में स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि उनका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। 2015 की डील से बाहर निकलने के बाद अमेरिका और ईरान के रिश्तों में तल्खी बढ़ती गई है। जो अभी 19 अप्रैल को देखना होगा।

साथियों बात अगर हम देर रात मीडिया में आई जानकारी के अनुसार वार्ता के नतीजे की करें तो, अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर दोनों देशों के बीच हुई पहली सीधी वार्ता में इस मुद्दे पर 19 अप्रैल को और चर्चा करने पर सहमति बनी है। ईरान के विदेश मंत्री ने यह जानकारी दी। ईरान के सरकारी टेलीविजन की खबर के मुताबिक, वार्ता के अंत में अमेरिका के पश्चिम एशिया में दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान के विदेश मंत्री की उपस्थिति में संक्षिप्त बातचीत की। इससे दशकों से तनावपूर्ण संबंध वाले दोनों देशों के बीच सीधी वार्ता होने का संकेत मिलता है। मीडिया के अनुसार अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान की ओर से आ रही खबरों की तत्काल पुष्टि नहीं की है। खबरों के मुताबिक, दोनों पक्षों ने ओमान के बाहरी इलाके में एक स्थान पर दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की, दोनों देशों के बीच करीब 50 साल से जारी दुश्मनी के बीच बातचीत का महत्व और भी बढ़ गया है। बता दें बघेई ने कहा था,हम कूटनीति को एक वास्तविक और ईमानदार अवसर दे रहे हैं, ताकि बातचीत के माध्यम से हम एक ओर परमाणु मुद्दे पर आगे बढ़ सकें, और दूसरी ओर हमारे लिए अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रतिबंधों को हटाया जाए। बघेई ने कहा था, देखिए, यह तो बस एक शुरुआत है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि इस चरण में दोनों पक्ष ओमानी मध्यस्थ के माध्यम से अपनी मौलिक स्थिति प्रस्तुत करेंगे।इसलिए,हमें उम्मीद नहीं है कि वार्ता का यह दौर लंबा चलेगा।' इससे पहले अराघची ने ईरानी पत्रकारों से बात की थी। एक आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना द्वारा जारी एक ऑडियो क्लिप में अराघची ने कहा,अगर दोनों पक्षों में पर्याप्त इच्छाशक्ति है, तो हम कार्यक्रम तय करेंगे। लेकिन इस बारे में बात करना अभी भी जल्दबाजी होगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशिष्ट ना करें तो हम पाएंगे कि अमेरिका ईरान के बीच मस्कट में न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर वार्ता संपन्न -19 अप्रैल 2025 को फ़िर बैठक।वार्ता को लेकर ईरान अमेरिका के अलग-अलग दावे- ईरान ने अप्रत्यक्ष वार्ता बताया तो अमेरिका ने प्रत्यक्ष बताया।अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने, कूटनीति को सद्भावना, सहयोग व मुद्दे सुलझाने का संकल्प कर,सकारात्मक नतीजों के अंजाम तक लाना ज़रूरी।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

बेहतर सेहत की ओर

सोमवार, 7 अप्रैल को 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' था। स्वास्थ्य के प्रति औसत आदमी ज्यादा सचेत हुआ है, लगातार शोध एवं विकास से दवाएं बेहतर हुई हैं और अस्पताल तथा डॉक्टर तक पहुंच अपेक्षाकृत आसान हुई है। नतीजतन 2019 तक मौजूदा सदी में इनसान की उम्र औसतन 6 साल बढ़ी है। वैश्विक स्तर पर 73 साल की औसत उम्र तक आम आदमी जिंदा रह सकता है, जबकि भारत में यह सरकारी आंकड़ा औसतन 67 साल है। अलबत्ता चिकित्सकों के आकलन हैं कि यदि समयबद्ध तरीके से दवाइयां ली जाएं, परहेज किए जाएं, निरंतर टहलना-योग आदि किए जाएं और पोषण-व्यवस्था बेहतर हो, तो आम आदमी 80-85 साल की जिंदगी आसानी से जी सकता है। चलता-फिरता रह सकता है। यकीनन स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए गए हैं, क्रांतिकारी प्रयोग किए गए हैं। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को 'अपवाद' के तौर पर छोड़ा जा सकता है। वैज्ञानिकों ने कोरोना के इंजेक्शन भी बना लिए हैं, बेशक उन पर कुछ विवाद भी हैं, लेकिन उन्होंने आम आदमी को नए प्राण दिए हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई निर्देश जारी किए हैं और स्वास्थ्य संबंधी अंतरराष्ट्रीय सुधार-स्थितियों के भी खुलासे किए हैं। बेशक भारत में मातृ और शिशु मृत्यु दर लगातार घटती जा रही है। वर्ष 2000 से हमारे देश में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु-दर में करीब 70 फीसदी कमी आई है। नवजात शिशु की मृत्यु-दर में भी करीब 61 फीसदी की कमी आई है। बेशक ये शानदार आंकड़े हैं, जो हमारी स्वास्थ्य-सफलताओं की कहानी कह रहे हैं। वर्ष 2000 में मातृ मृत्यु की संख्या 384 थी, जबकि 2020 में यह घट कर 103 रह गई। उसके बाद मातृ मृत्यु दर में और भी कमी आई होगी। बेशक भारत में मातृ मृत्यु-दर और नवजात बच्चों की मौत का औसत भी कम हुआ है, लेकिन आज भी करीब 25,000 मांओं की मौत हर साल हो रही है।

हर साल प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण भी करीब 3 लाख महिलाओं की मौत हो रही है, जबकि 20 लाख से अधिक बच्चे जीवन के प्रथम माह में ही दम तोड़ देते हैं। ये भयानक आंकड़े हैं। मौत के कारण कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि यदि उन्हें बेहतर इलाज मिले और समय पर महिला या शिशु डॉक्टर तक पहुंचाया जा सके, तो ये मौतें भी काफी कम हो सकती हैं। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' का थीम रखा गया है-'स्वस्थ शुरुआत, आशावादी भविष्य।' साफ मकसद है कि मां और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और उनकी जिंदगी को बेहतर बनाना। 2030 तक मातृ मृत्यु-दर में सुधार के लक्ष्य से फिलहाल हर 5 में से 4 देश बहुत दूर हैं, जबकि 3 में से 1 देश नवजातों की मौतों को कम करने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगा। 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान' का एक अनुमान सामने आया है कि बीते दो दशकों के दौरान प्रजनन संबंधी पेचीदगियों के कारण करीब 13 लाख महिलाओं की मौत हुई। वाकई ऐसे आंकड़े चिंतित करने वाले हैं। बहरहाल विश्व स्वास्थ्य दिवस ने जो थीम तय किया है, उसके मद्देनजर एक साल तक अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान सरकारों और चिकित्सा-समाज से उम्मीद करेगा कि वे मातृ और नवजात को बचाने के लिए अपने प्रयासों में तेजी लाएं। महिलाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दें। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मांओं की सेहत को दुरुस्त कर लिया गया, तो दुनिया भर में स्वास्थ्य को लेकर कायाकल्प किया जा सकता है। भारत में स्वास्थ्य को लेकर कई सवाल हैं। पहला सवाल तो बजट को लेकर है। अमरीका जैसे देश स्वास्थ्य पर जितना बजट खर्च करते हैं।

टेक्नोलॉजी

अब टाइपिंग होगी और भी मजेदार! Google अब आपके कीबोर्ड में ला रहा नया AI Meme Generator, जानें कैसे करेगा काम

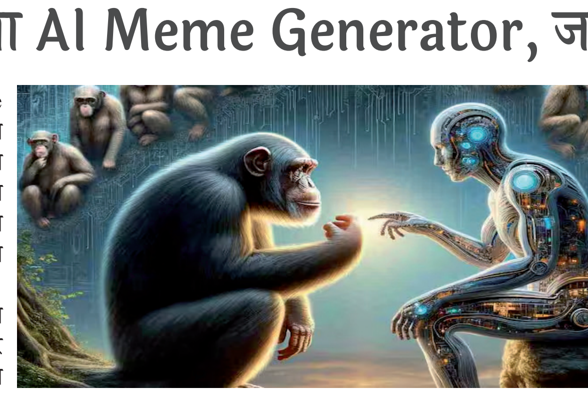

Google AI Meme Generator: गूगल अब Gboard (जो कि एंड्रॉयड का डिफॉल्ट और सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला कीबोर्ड है) में एक AI बेस्ड मीम जनरेटर जोड़ने की तैयारी में है.

गूगल अब Gboard (जो कि एंड्रॉयड का डिफॉल्ट और सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला कीबोर्ड है) में एक AI बेस्ड मीम जनरेटर जोड़ने की तैयारी में है. Android Authority की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट का नाम "Meme Studio" रखा गया है और इसका उद्देश्य यूज़र्स को मज़ेदार मीम्स बनाने का आसान तरीका देना है.

कैसे काम करेगा Meme Studio - जानकारी के अनुसार, इस नए फीचर के ज़रिए यूज़र्स पहले एक बेस इमेज चुन सकेंगे और फिर उसमें अपनी पसंद का टेक्स्ट जोड़ पाएंगे. रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें सैकड़ों इमेज ऑप्शन होंगे जिनमें से कोई एक चुनने पर एडिटिंग स्क्रीन खुलेगी. यूज़र इमेज पर टेक्स्ट को घुमा सकते हैं, स्केल बदल सकते हैं, या अतिरिक्त कैप्शन जोड़ सकते हैं. हालांकि, फिलहाल टेक्स्ट का रंग और फॉन्ट बदलने का ऑप्शन नहीं स्पॉट हुआ है लेकिन फाइनल वर्ज़न में इसे शामिल किया जा सकता है.

AI खुद बनाएगा मीम्स - इस स्टूडियो में एक खास "Generate" फीचर भी होगा, जहां यूज़र कोई topic डालेंगे और फिर AI खुद एक इमेज और कैप्शन सजेस्ट करेगा. रिपोर्ट यह भी बताती है कि इस फीचर में सेफ्टी फ़िल्टर लगे होंगे ताकि कोई भी आपत्तिजनक या अनुचित सामग्री न बनाई जा सके.

AI इमेज का बढ़ रहा क्रेज - हाल ही में ChatGPT और OpenAI की इमेज जनरेशन ने सोशल मीडिया पर काफी धूम मचाया है. जहां यूज़र्स अब न सिर्फ खुद की इमेज बना सकते हैं बल्कि उन्हें एडिट भी कर सकते हैं. सोशल मीडिया पर लोग अपनी तस्वीरों को Studio Ghibli स्टाइल या एक्शन फिगर जैसे अवतारों में बदलते नजर आ रहे हैं.

इसी समय, Elon Musk का xAI Grok भी चर्चा में आया जिसे लोग ChatGPT का विकल्प मान रहे हैं. हालांकि ChatGPT ने इमेज जनरेशन को पॉपुलर बनाया लेकिन Google ने भी कुछ ही दिन पहले अपने Gemini 2.0 Flash मॉडल में ऐसे फीचर्स दिए हैं. अब Meme Studio फीचर के ज़रिए Google फिर से AI की दुनिया में अपना दबदबा जताने की तैयारी में लग रहा है.

जनरल नॉलेज

एक स्पेस स्टेशन बनाने में कितना खर्चा आता है, हवा में कैसे लटका रहता है यह?

एक स्पेस स्टेशन इतनी आसानी से नहीं बन जाता है. इसे बनाने में करोड़ों रुपये का खर्चा आता है और समय भी बहुत खर्च होता है. चलिए जानें कि आखिर यह हवा में कैसे लटकता है.

भारत अब अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बनाने की तैयारी कर रहा है. केंद्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने कुछ वक्त पहले एक समारोह में यह बताया था कि साल 2040 तक भारत चांद पर अपना अंतरिक्ष यात्री उतारने की कोशिश में है, वहीं 2035 तक भारत का अपना स्पेस स्टेशन तैयार हो जाएगा. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आखिर एक स्पेस स्टेशन को बनाने में कितना वक्त और पैसा लगता है. साथ ही हम आपको यह भी बताएंगे कि क्या यह हवा में लटका रहता है या फिर धरती के चारों ओर चक्कर काटता है.

कैसे बनता है स्पेस स्टेशन? - अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन को अंतरिक्ष में नहीं बनाया जाता है, बल्कि इसके अलग-अलग हिस्से पृथ्वी पर बनाए जाते हैं. फिर इन हिस्सों को रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में ले जाकर अंतरिक्ष यात्री जोड़ते हैं. इसके लिए अंतरिक्ष यात्रियों को खास तैयारी करनी पड़ती है, क्योंकि यह बहुत जटिल प्रक्रिया होती है. इसके लिए स्पेशल स्पेस सूट की भी जरूरत होती है, क्योंकि स्पेस स्टेशन की ऑर्बिट धरती से करीब 250 मील दूर है. एक बार जब यह पूरी तरह से जुड़ जाता है, तब अंतरिक्ष यात्री इसका इस्तेमाल करते हैं.

इसे बनाने में कितना खर्च आता है? - स्पेस स्टेशन को बनाने के खर्चे की बात करें तो इसमें बहुत खर्चा आता है. अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के निर्माण में अमेरिका, रूस, कनाडा, यूरोप और जापान ने मिलकर सहयोग किया है. खबरों की मानें तो इसको बनाने में करीब 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर का खर्चा आया है. इसको बनाने में भी काफी वक्त लगता है. स्पेस डॉट कॉम की मानें तो ISS का निर्माण साल 1998 में शुरू हुआ था और साल 2011 में यह बनकर पूरा हुआ. इसी तरह से एक अंतरिक्ष स्टेशन को बनाने में कई साल लग सकते हैं. इस स्पेस स्टेशन का वजन करीब एक मिलियन पाउंड है, जो कि किसी फुटबॉल मैदान के बराबर है.

क्या हवा में लटका रहता है स्पेस स्टेशन? - वास्तव में स्पेस स्टेशन हवा में लटके नहीं रहते हैं, बल्कि ये धरती के चारों ओर चक्कर काटते रहते हैं. धरती के गुरुत्वाकर्षण बल से बचने के लिए ये स्पेस स्टेशन हाई विलोसिटी यानि उच्च वेग से आगे की ओर बढ़ते हैं. यही इसे धरती पर वापस गिरने से रोकता है. यह एक निरंतर गति और ग्रेविटी के बीच संतुलन है, जो कि इसे कक्षा में बनाए रखता है. अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी की कक्षा में लगभग 27,600 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घूमता है. यह पृथ्वी की कक्षा से करीब 400 किलोमीटर ऊपर की ओर है.

संक्षिप्त समाचार

राजशाही समर्थक प्रदर्शनों पर दुर्गा गिरफ्तार

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने काठमांडो के तिनकुने में हुए हिंसक प्रदर्शनों में शामिल मुख्य आरोपी दुर्गा प्रसाई को उसके अंगरक्षक के साथ भारत की सीमा से लगे झापा जिले से शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा, प्रसाई का हाथ राजधानी काठमांडो में 28 मार्च को हुए राजशाही समर्थक प्रदर्शनों में शामिल रहा है। इन प्रदर्शनों में दो लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रसाई को असम में स्थानीय पुलिस ने हिरासत में लिया था और नेपाल पुलिस को सौंप दिया, जो उसे झापा ले आई, जहां उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। भारत-नेपाल में कोई प्रत्यर्पण संधि न होने के कारण असम से गिरफ्तारी गोपनीय रखी गई। राजशाही की बहाली और नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर काठमांडो और देश के कुछ दूसरे हिस्सों में आरपीपी सहित राजशाही समर्थकों ने कई विरोध प्रदर्शन किए हैं। पुलिस ने कई?लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें रिहा करने की मांग देश में बढ़ रही है।

विस्फोट मामले में दो पूर्व शीर्ष अधिकारियों से की गई पूछताछ

बेयरूत, एजेंसी। लेबनान के जज तारेक बिटार ने शुक्रवार को बेरूत बंदरगाह विस्फोट की जांच के सिलसिले में दो पूर्व शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से पूछताछ की। करीब चार वर्षों में पहली बार यह पूछताछ हुई है। इन अधिकारियों को समन भेजा गया था। पूछताछ में सामान्य सुरक्षा निदेशालय के पूर्व प्रमुख मेजर जनरल अब्बास इब्राहीम और पूर्व राज्य राज्य सुरक्षा प्रमुख मेजर जनरल टोनी सलिबा शामिल थे। इन दोनों अधिकारियों पर 2020 में हुए विस्फोट में उनकी कथित भूमिका के लिए आरोप लगाए गए हैं, हालांकि आरोपों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह विस्फोट 4 अगस्त 2020 को हुआ था। बेरूत बंदरगाह पर असुरक्षित रूप से संग्रहित अमोनियम नाइट्रेट में आग लग गई थी।

अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को दौरे पर रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सेंट पीटर्सबर्ग में मुलाकात की। यह मुलाकात यूक्रेन युद्ध का शांतिपूर्ण हल खोजने के मकसद से की गई थी। यह बैठक शुक्रवार को शहर की राष्ट्रपति लाइब्रेरी में हुई। रूसी मीडिया के अनुसार, यह बातचीत चार घंटे से ज्यादा समय तक चली। दोनों के बीच यह तीसरी मुलाकात है। विटकॉफ तीसरी बार रूस की यात्रा पर गए हैं। विटकॉफ ऐसे समय में रूस पहुंचे हैं जब ट्रम्प रूस-यूक्रेन जंग पर पुतिन के रवैए को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं।

सेना ने आईएस से जुड़े आतंकियों के चंगुल से 41 बंधकों को छुड़ाया

किंशासा , एजेंसी। कांगो की सेना ने देश के पूर्वी हिस्से में एक बड़ा अभियान चलाकर 41 बंधकों को इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकी समूह के चंगुल से छुड़ाया। छुड़ाए गए लोगों में 13 महिलाएं और कई विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। सेना के प्रवक्ता माक हजुकाय ने बताया कि ये बंधक एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एडीएफ) नामक आतंकी समूह के कब्जे में थे और उन्हें नॉर्थ किवू प्रांत के लुबेरो और बेनी इलाकों से छुड़ाया गया।

डाटा प्राइवेसी आयोग ने शुरू की एक्स के खिलाफ जांच

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड के डाटा प्राइवेसी आयोग (डीपीसी) ने दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स (पहले ट्विटर) के खिलाफ जांच शुरू की है। कंपनी पर आरोप है कि उसने यूरोप के यूजर्स की पोस्ट से उनका निजी डाटा निकालकर उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट ग्रोक को प्रशिक्षित करने के लिए इस्तेमाल किया। आयोग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, यह जांच यह पता लगाने के लिए की जा रही है कि क्या एक्स ने यह डाटा कानूनी तरीके से प्रोसेस किया, ताकि इससे ग्रोक जैसे बहुभाषी मॉडल (एलएलएम) को प्रशिक्षित किया जा सके।

यूरोप में फैला जानलेवा वायरस: कई देशों की सीमाएं सील, बायोलॉजिकल अटैक का शक

लंदन, एजेंसी।
यूरोप में एक नई बीमारी के वायरस का आतंक मचने के बाद कई देशों ने अपनी सीमाएं सील करर दी हैं। कुछ देशों ने इसे बायोलॉजिकल अटैक का शक भी जताया है। यूरोप के तीन देशों हंगरी, ऑस्ट्रिया और स्लोवाकिया में फुट-एंड-माउथ डिजीज ने हड़कंप मचा दिया है। हालात इतने बिगड़ गए कि इन देशों ने अपनी सीमाएं तुरंत सील कर दीं। हंगरी में करीब 50 साल बाद इस बीमारी का इतना भीषण कहर देखा गया है। हजारों पशुओं को मारने के बावजूद संक्रमण फैलने का खतरा टला नहीं है। यूरोप में फैली फुट-एंड-माउथ डिजीज ने हालात को बेहद नाजुक बना दिया है। बीमारी रोकने के लिए तगड़े कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन बायोलॉजिकल अटैक के शक ने चिंता और बढ़ा दी है। सबकी नजरें अब जांच रिपोर्ट और आने वाले फैसलों पर टिकी हैं।

हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान की सरकार को शक है कि यह महज प्राकृतिक आपदा नहीं,

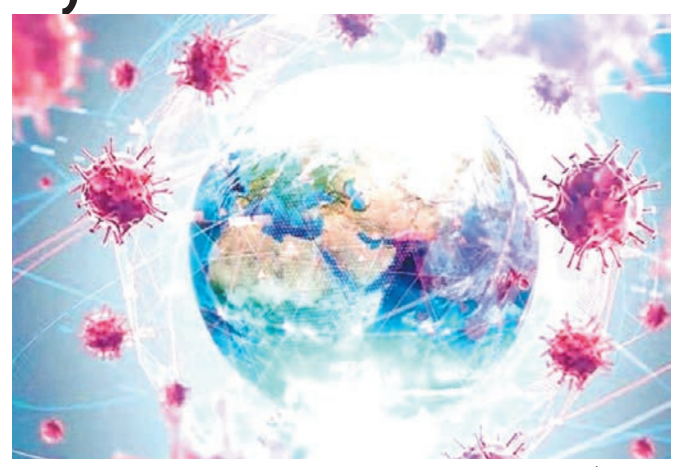

बल्कि साजिश का नतीजा हो सकती है। इस वायरस को बायोलॉजिकल अटैक के तौर पर भी देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ गर्गेली गुल्यास ने कहा, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि वायरस प्राकृतिक है। संभव है कि हम एक कृत्रिम वायरस का सामना कर रहे हों। उन्होंने बताया कि यह शक एक विदेशी लैब से मिली जानकारी पर आधारित है, हालांकि इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, बीमारी का पहला मामला मार्च में हंगरी की उत्तर-पश्चिमी सीमा के पास एक फार्म में मिला था। अब तक 1,000 से ज्यादा फार्मों की जांच हो चुकी है, जिनमें से चार में संक्रमण की पुष्टि हुई है। फुट-एंड-माउथ डिजीज इंसानों के लिए घातक नहीं मानी जाती, लेकिन गायों, भेड़ों और बकरियों में यह बेहद तेजी से फैलती है। इससे जानवरों को तेज़ बुखार और मुंह में घाव हो जाते हैं, जिससे उनकी जान भी जा सकती है। हंगरी के किसान पॉल मिक्सनर के मुताबिक, उनके 3,000 मवेशी मारे गए। दर्द बयां करते हुए उन्होंने कहा, हर कोई रो रहा था, जैसे कोई बुरा सपना सच हो गया हो। अब वे पुनर्निर्माण में जुट गए हैं और दो हफ्तों के भीतर चारे का भंडार तैयार करने की योजना बना रहे हैं।

हंगरी में दिसंबर 2024 तक 8.61 लाख मवेशी थे, जो यूरोपीय संघ के कुल स्टॉक का 1.2त्न हिस्सा हैं।

वायरस के फैलाव को रोकने के लिए हजारों मवेशियों को मारना पड़ा है।

ऑस्ट्रिया ने हंगरी के साथ 21 और स्लोवाकिया के साथ 2 सीमा क्रॉसिंग बंद कर दी हैं।

सीमाओं पर कीटाणुनाशक स्टेशन लगाए गए हैं ताकि संक्रमण आगे न बढ़े। स्लोवाकिया के दक्षिणी हिस्से में भी बीमारी तेजी से फैल रही है, जिससे खतरे की घंटी बज चुकी है।

मानवता की मिसाल बने प्रिंस हैरी, युद्ध पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाने पहुंचे यूक्रेन

लंदन एजेंसी। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय के छोटे बेटे युवराज हैरी अचानक यूक्रेन पहुंचे और वहां उन्होंने रूस के साथ जारी युद्ध के पीड़ितों से मुलाकात की। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। हैरी ने बृहस्पतिवार को लवीव में ऑर्थोपेडिक क्लीनिक 'सुपरह्यूमन्स सेंटर का दौरा किया जहां घायल सैन्य कर्मियों और नागरिकों का इलाज किया जाता है। युवराज हैरी की यात्रा का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध के बीच लोगों की शीर्ष-स्तरीय सेवाएं मिलें। इस केंद्र में कृत्रिम अंग, पुनर्निर्माण सर्जरी और मनोवैज्ञानिक सहायता निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। युवराज हैरी की पश्चिमी यूक्रेन की यात्रा के संबंध में जानकारी तब दी गई जब वह वहां से रवाना हो गए। ब्रिटिश सेना में 10 साल सेवाएं देने वाले हैरी ने घायल सैनिकों की मदद को अपना प्रमुख कार्यक्षेत्र बनाया है। उन्होंने 2014 में 'इनविक्टस गेम्स की स्थापना की ताकि घायल सैनिकों को पैरालिंपिक जैसे खेल आयोजनों में प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिल सके। प्रवक्ता ने कहा कि 'इनविक्टस सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा ही नहीं, बल्कि इससे कहीं बढ़कर है। यह चोट के बाद के जीवन के बारे में हैं, यही वजह है कि हैरी लवीव जैसे पुनर्वास केंद्रों में जाते हैं। यात्रा के दौरान हैरी ने यूक्रेन के पूर्व सैनिकों के मामलों की मंत्री नतालिया कलमीकोवा से मुलाकात की।

मेलबर्न के भारतीय दूतावास में तोड़फोड़

मेन गेट पर लाल पेंट से निशान बनाए, पहले भी दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे जा चुके

कैनबेरा, एजेंसी।
मेलबर्न के भारतीय वाणिज्य दूतावास में एक बार फिर तोड़फोड़ की गई है। ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 1:00 बजे दूतावास के मेन गेट पर लाल रंग से बनाए गए निशान दिखे। घटना के बाद कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस मुद्दे को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के सामने रखा। इस दूतावास में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय तनाव के दौरान पहले भी यहां की दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे गए थे।

पुलिस बोली- लोगों के पास जानकारी हो तो हमें दें: विक्टोरिया पुलिस के प्रवक्ता ने बताया, हमें लगता है कि बुधवार और गुरुवार की रात के बीच किसी समय इमारत के मेन गेट पर किसी ने निशान बनाए हैं। इस नुकसान की जांच अभी जारी है।

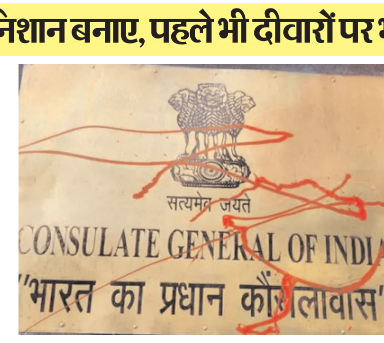

पुलिस ने अब तक ये नही बताया है कि किसी संदिग्ध की पहचान हुई है या नहीं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर किसी के पास इस घटना को लेकर कोई जानकारी हो तो आगे आएं।

भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को ङ्ग पोस्ट में लिखा, 'मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास की दीवारों पर शरारती तत्वों की तरफ से की गई अपमानजनक हरकत को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ उठाया गया है। देश में भारतीय राजनयिक और कॉन्सुलेट बिल्डिंग के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।'

इस घटना को लेकर भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय ने चिंता जताई है। समुदाय के लोगों ने बताया कि हिंदू मंदिरों और भारतीय सरकारी इमारतों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। एक भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने कहा, 'यह सिर्फ दीवार बनाए गए निशान नहीं हैं- यह हमारे समुदाय को डराने की एक कोशिश है।'

2023 में ऑस्ट्रेलिया के कई मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी। ब्रिसबेन में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवार को तोड़ दिया गया। साथ ही मंदिर की दीवार पर खालिस्तान के समर्थन और भारत के खिलाफ नारे लिखे गए।

यूनुस का खौफनाक खेल बेनकाब ! पाक-चीन के साथ रची बांग्लादेशी सेना प्रमुख को मारने की साजिश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सेना और सत्ता के बीच तनाव विस्फोट के कगार पर है। शेख हसीना के सत्ता छोड़ने के बाद वकार उज जमां की मदद से मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार की कमान तो संभाली थी, लेकिन अब दोनों आमने-सामने हैं। जाने-माने बांग्लादेशी पत्रकार सलाउद्दीन शोएब चौधरी ने दावा किया है कि यूनुस ने पाकिस्तान-चीन के साथ मिलकर आर्मी चीफ को रास्ते से हटाने की खतरनाक साजिश रच डाली है जिसमें उन्हें गिरफ्तार कर फांसी तक देने का प्लान बनाया गया है। चौधरी के मुताबिक,

यूनुस पाकिस्तान और चीन के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने लालमोनिरहाट में चीन को एयरबेस बनाने की खुली दावत दी है। यूनुस इससे पहले ढाका ऑर्डिनेंस फैक्ट्री पाकिस्तान को सौंपने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन जनरल वकार उज जमां ने बीच में हस्तक्षेप कर सौदा रुकवा दिया। तभी से दोनों के बीच तलवारें खिंच गईं। यूनुस ने वकार जमां के करीबी अधिकारियों को जबरन घर में नजरबंद करवा दिया है। कई पर मुकदमे भी चल रहे हैं। इसके साथ ही खलीलुर्रहमान को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बना कर यूनुस ने सेना को खुली चुनौती दी है। चौधरी का कहना है कि यूनुस बांग्लादेशी जनता की भावनाओं के खिलाफ पाकिस्तान और चीन का एजेंडा थोपने की कोशिश कर रहे हैं। बांग्लादेश में पाकिस्तान अब भी एक नफरत का प्रतीक है। अगर यूनुस सेना और जनता के खिलाफ साजिशें करते रहे, तो देश में बड़ा बवाल होना तय है। चौधरी ने आगाह किया कि यूनुस बाहरी ताकतों के सहारे सत्ता में बने रहना चाहते हैं, लेकिन उनकी हालत नाजुक है। शेख हसीना समर्थक फिर से सक्रिय हो रहे हैं और जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

रेलवे कंपनी के दफ्तर के पास बम धमाका, कोई हताहत नहीं

एथेंस, एजेंसी। ग्रीस की राजधानी एथेंस में शुक्रवार को एक बम धमाका हुआ। यह धमाका देश की मुख्य रेलवे कंपनी हेलनिक ट्रेन के दफ्तर के बाहर हुआ। अच्छी बात यह रही कि इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, धमाके से कुछ देर पहले एक अखबार और एक न्यूज वेबसाइट को एक गुमनाम कॉल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि रेलवे कंपनी के दफ्तर के बाहर एक बम रखा गया है और करीब 40 मिनट के अंदर वह फट जाएगा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस इलाके को चारों तरफ से घेर लिया और आसपास के लोगों, पर्यटकों और दुकानदारों को सुरक्षित जगह भेज दिया। यह इलाका एथेंस की एक व्यस्त सड़क सिंग्रू एवेन्यू पर है, जहां कई रेस्तरां और बार भी मौजूद हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक बैग में विस्फोटक सामग्री रखी गई थी और उसे हेलनिक ट्रेन बिल्डिंग के पास छोड़ा गया था। यह धमाका ऐसे समय में हुआ है जब देश में रेलवे को लेकर जनता में पहले से ही आक्रोश फैला हुआ है। फरवरी 2023 में ग्रीस में एक बड़ा रेल हादसा हुआ था। मालगाड़ी और यात्री ट्रेन की टक्कर में 57 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर छात्र थे जो छुट्टियों के बाद विश्वविद्यालय लौट रहे थे। उस हादसे के दो साल पूरे होने पर लोगों का सरकार और रेलवे के खिलाफ आक्रोश फिर से भड़क उठा है।

निर्वासन के खिलाफ अपील करेगा इस्राइल विरोधी महमूद खलील, कोलंबिया विश्वविद्यालय में विरोध का मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी।
बीते साल कोलंबिया विश्वविद्यालय में इस्राइल विरोधी और फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले महमूद खलील को निर्वासित करने का आदेश दे दिया गया है। अब महमूद खलील के वकील ने कहा है कि वे इस आदेश को चुनौती देंगे। संघीय अप्रवासन एजेंट्स ने बीते महीने महमूद खलील को हिरासत में लिया था। उल्लेखनीय है कि महमूद खलील अमेरिका का नागरिक है और उसकी पत्नी, जो गर्भवती है, वह भी अमेरिकी नागरिक है। हिरासत में लिए जाने के बाद महमूद खलील को कोलंबिया से हजारों मील दूर लुइसियाना के जेना में स्थित हिरासत केंद्र में रखा गया

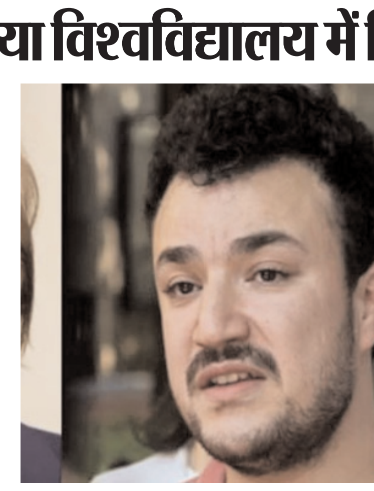

है। खलील कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय मामलों का छात्र है। बीते साल जब कोलंबिया यूनिवर्सिटी में गाजा के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हुए तो महमूद खलील ने ही इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक ब्लॉक पर कब्जा कर लिया था जिसके चलते खासा हंगामा हुआ था और पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी थी। प्रदर्शन के दौरान महमूद खलील ने अपना चेहरा नहीं छिपाया और मीडिया से भी बात की, जिससे वह ट्रंप प्रशासन के निशाने पर आ गया। व्हाइट हाउस ने महमूद खलील पर आतंकियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। हालांकि अभी तक ये साबित नहीं हुआ है।

क्लिनिक की गलती महिला पर पड़ी भारी

केपटाउन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में एक महिला ने आईवीएफ क्लिनिक की बड़ी गलती के कारण एक अजनबी के बच्चे को जन्म दिया। क्लिनिक ने बताया कि एक मानवीय भूल के चलते महिला के गर्भ में किसी और का भ्रूण प्रत्यारोपित कर दिया गया था। मोनाश आईवीएफ नामक कंपनी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि यह गलती फरवरी में तब सामने आई जब ब्रिस्बेन स्थित क्लिनिक ने पाया कि जन्म देने वाले माता-पिता के पास एक से अधिक भ्रूण संग्रहित थे। जांच के दौरान पता चला कि किसी अन्य मरीज का भ्रूण गलती से महिला के गर्भ में डाल दिया गया था। बच्चे का जन्म 2024 में हुआ था। अब तक की जांच में किसी और गलती के प्रमाण नहीं मिले हैं। कंपनी के सीईओ माइकल नैप ने कहा, हम इस घटना से बहुत दुखी हैं और इसमें शामिल सभी लोगों से दिल से माफी मांगते हैं। हम इस कठिन समय में मरीजों का समर्थन करते रहेंगे। कंपनी ने कहा कि 'कड़े लैब सुरक्षा प्रोटोकॉल' के बावजूद यह गलती हो गई और इस मामले की सूचना क्वींसलैंड के नियामक अधिकारियों को दी गई है। मोनाश आईवीएफ की स्थापना 1971 में हुई थी और इसके पूरे ऑस्ट्रेलिया में दर्जनों क्लिनिक हैं। पिछले साल भी कंपनी को 700 से अधिक रोगियों द्वारा दायर एक सामूहिक मुकदमे का सामना करना पड़ा था, जिसमें आरोप था कि उनके क्लिनिक ने संभावित रूप से स्वस्थ भ्रूणों को नष्ट कर दिया था। इस मामले में क्लिनिक ने 5.6 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का भुगतान कर समझौता किया था। भ्रूण बदलने के ऐसे दुर्लभ मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, इज़राइल और यूरोप में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। हाल ही में अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक महिला, क्रिस्टेना मरे, ने भी एक प्रजनन क्लिनिक पर मुकदमा दायर किया। मरे को बच्चे के जन्म के बाद इस गलती का अहसास हुआ।

दक्षिण कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति ने खाली किया अपना आधिकारिक आवास, घर के लिए रवाना होते हुए समर्थकों को लगाया गले

सियोल, एजेंसी।
भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच बड़ी संख्या में समर्थक और आलोचक आस-पास की सड़कों पर एकत्र हुए। अपदस्थ राष्ट्रपति को मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं, कुछ लोगों ने महामहिम यूं, हम आपकी भावना के साथ आगे बढ़ेंगे से लेकर यूं सुक योल को मृत्युदंड दो! जैसे नारे लगाए।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल शुक्रवार को सियोल में राष्ट्रपति निवास से अपने निजी घर के लिए रवाना हो गए। पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था। यून और उनकी पत्नी 11 कुत्तों और बिल्लियों के साथ दक्षिणी सियोल में निजी अपार्टमेंट में लौट आए। जब ??पूर्व राष्ट्रपति की वैन राष्ट्रपति परिसर के गेट पर पहुंची, तो वे मुस्कुराते हुए

बाहर निकले और अपने समर्थकों की ओर हाथ हिलाया। उन्होंने दर्जनों समर्थकों से हाथ मिलाया और गले भी मिले। अपने अपार्टमेंट में पहुंचने के बाद, वह समर्थकों की भीड़ के बीच से धीरे-धीरे आगे बढ़े, उनके नाम के नारे लगाते हुए उनसे हाथ मिलाया, उनकी पत्नी भी उनके पीछे-पीछे चल रही थीं।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच बड़ी संख्या में समर्थक और आलोचक आस-पास की सड़कों पर एकत्र हुए। अपदस्थ राष्ट्रपति को मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं, कुछ लोगों ने महामहिम यूं, हम आपकी भावना के साथ आगे बढ़ेंगे से लेकर यूं सुक योल को मृत्युदंड दो! जैसे नारे लगाए। यूं ने एक वीडियो संदेश में अपने समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वतंत्र और समृद्ध कोरिया गणराज्य बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश जारी रखेंगे जिसका हमने साथ मिलकर सपना देखा है, दक्षिण कोरिया के औपचारिक नाम का आह्वान करते हुए। यून रूढ़िवादी जिसने 2022 का चुनाव संकीर्ण रूप से जीता, ने 3 दिसंबर को देर रात टेलीविजन पर मार्शल लॉ की घोषणा की, जिसमें उसने राज्य विरोधी उदारवादियों को मिटाने की कसम खाई, जिन पर उसने अपने एजेंडे को बाधित करने के लिए अपने विधायी बहुमत का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने विधायी गतिविधियों को निलंबित करने की भी घोषणा की और नेशनल असेंबली को घेरने के लिए सैकड़ों सैनिकों को भेजा, लेकिन सांसदों ने फिर भी कोरम बनाने में कामयाबी हासिल की और मार्शल लॉ लागू होने के कुछ ही घंटों बाद इसे हटाने के लिए मतदान किया।

व्हाइट हाउस में लगी ट्रंप पर हमले वाली नई पेंटिंग, दूसरी दीवार पर लगाई गई ओबामा की तस्वीर

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एक नई पेंटिंग लगाई है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस वक्त दिखाया गया है, जब उन पर जुलाई 2024 में जानलेवा हमला हुआ था। इस नई पेंटिंग को लगाने के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की जो तस्वीर पहले वहां पर लगी थी, उसे हटाकर दूसरी जगह लगा दिया गया है।

बराक ओबामा की तस्वीर 2022 में व्हाइट हाउस में लगाई गई थी। यह तस्वीर फोयर (मुख्य हॉल) में थी। यह तस्वीर उन सीढ़ियों के पास लगी थी, जो राष्ट्रपति के आवास तक जाती हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि ओबामा की तस्वीर अभी भी फोयर में है। लेकिन अब इसे दूसरी दीवार पर लगा दिया गया है, जहां पहले पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश की तस्वीर लगी थी।

योजना है कि जॉर्ज डब्ल्यू बुश की तस्वीर को उनके पिता, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश की तस्वीर के पास रखा जाएगा। यह तस्वीर सीढ़ियों के पास लगी है, जो राष्ट्रपति के घर तक जाती हैं। परंपरा के अनुसार, व्हाइट हाउस में दो सबसे हालिया राष्ट्रपति की तस्वीरें फोयर में लगाई जाती हैं। नई तस्वीर व्हाइट हाउस ने अपने सोशल मीडिया खाते पर पोस्ट किया। यह तस्वीर ट्रंप पर हुए हमले के बाद की है। यह हमला जुलाई में पेंसिलवेनिया के बटलर में एक रैली के दौरान हुआ था। ट्रंप के कान में चोट लगी थी और उन्होंने हाथ ऊपर उठाकर लड़ो, लड़ो, लड़ो कहा था। यह नारा ट्रंप के चुनावी अभियान में भी इस्तेमाल किया। ट्रंप की तस्वीर बिना किसी जानकारी के लगाई गई, जो आमतौर पर नहीं होता। ट्रंप की स्थिति खास है क्योंकि वह अभी के राष्ट्रपति भी हैं। ऐसा पहले 1880 और 1890 के दशक में (पूर्व राष्ट्रपति) ग्रोवर क्लीवलैंड के समय हुआ था।

विराट की दहाड़, फिल साल्ट की आंधी, RCB ने राजस्थान को फोड़ डाला; 9 विकेट से जीता मैच

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के घर पर 9 विकेट से हरा दिया है. विराट कोहली ने इस मैच में नाबाद 62 रन की पारी खेली.

नई दिल्ली, एजेंसी | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को 9 विकेट से रौंद डाला है. राजस्थान की टीम को अपने ही घर यानी सवाई मान सिंह स्टेडियम पर करारी शिकस्त मिली है. इस भिड़ंत में राजस्थान ने पहले खेलते हुए 173 रन बनाए थे, जवाब में बेंगलुरु की टीम ने 18वें ओवर में ही लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है. RCB की जीत में विराट कोहली और फिल साल्ट का बड़ा योगदान रहा, दोनों ने दमदार अर्धशतकीय पारी खेली.

RCB की आसान जीत

174 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए RCB को विराट कोहली और फिल साल्ट ने शानदार शुरुआत दिलाई. दोनों के बीच 92 रनों की शानदार सलामी साझेदारी हुई. साल्ट ने मात्र 33 गेंदों में 65 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसके दौरान उन्होंने 5 चौके और 6 छक्के लगाए. दूसरी ओर विराट कोहली ने 45 गेंद में 62 रनों की नाबाद पारी खेली. उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और 2 छक्के लगाए.

फिल साल्ट के आउट होने के बाद विराट कोहली ने देवदत्त पडिक्कल के साथ 83 रनों की साझेदारी कर बेंगलुरु की जीत सुनिश्चित की. एक तरफ विराट ने 62 रन, वहीं पडिक्कल ने 28 गेंद में 40 रनों का योगदान दिया. राजस्थान की ओर से 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया गया, जिनमें से कुमार कार्तिकेय ही एक विकेट लेने में कामयाब रहे.

यशस्वी जायसवाल पर भारी पड़े विराट

राजस्थान रॉयल्स ने इस मैच में पहले बैटिंग की थी, जिसके लिए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल टॉप स्कोरर साबित हुए. जायसवाल ने 47 गेंद में 75 रनों की पारी खेली थी. वहीं ध्रुव जुरेल ने 35 रन और रियान पराग ने 30 रनों का योगदान दिया था. मगर उनकी पारी पर विराट कोहली और फिल साल्ट भारी पड़े. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अब तक आईपीएल 2025 में खेले 6 मैचों में चार जीत दर्ज कर ली हैं. रजत पाटीदार की सेना अब पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर आ गई है.

दिल्ली को हराने वाली पहली टीम बनी MI, रन-आउट की अजीबोगरीब हैट्रिक लगाकर मारी बाजी; 12 रनों से जीता मैच

मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रनों से हरा दिया है. यह IPL 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की पहली हार है.

नई दिल्ली, एजेंसी | मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रनों से हरा दिया है. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले खेलते हुए 205 रन बनाए थे. जवाब में दिल्ली की पूरी टीम 193 रन ही बना पाई. यह दिल्ली की IPL 2025 में पहली हार है, इससे पहले उसने लगातार 4 जीत दर्ज की थीं. दूसरी ओर मुंबई को इस मैच में हार मिलती तो उसकी प्लेऑफ की राह मुश्किल हो जाती. 19वें ओवर में मुंबई इंडियंस के फील्डरों ने अजीबोगरीब अंदाज में रन-आउट की हैट्रिक लगाते हुए बाजी मारी.

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दीपक चाहर ने MI को जबरदस्त शुरुआत दिलाई. उन्होंने पारी की पहली ही गेंद पर जेक फ्रेजर मैकगर्क को चलता किया. उसके बाद अभिषेक पोरेल और करुण नायर ने मुंबई की गेंदबाजी की कमर तोड़ कर रख दी. दोनों ने मिलकर 61 गेंदों में 119 रन जोड़ डाले. पोरेल 33 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन करुण नायर अलग ही मूड में बैटिंग करने आए थे. नायर 89 रनों की तूफानी पारी खेल आउट हुए तब दिल्ली को 50 गेंदों में जीत के लिए 71 रन बनाने थे, यह देखने में बेहद आसान लक्ष्य नजर आने लगा था.

आखिरी 8 ओवरों में पलट गया पूरा मैच

12 ओवरों में दिल्ली कैपिटल्स ने 3 विकेट के नुकसान पर 140 रन बना लिए थे. टीम को जीत के लिए 48 गेंद में 66 रन बनाने थे. यहां से सूर्यकुमार यादव, ट्रिस्टन स्टब्स और केएल राहुल समेत अन्य बल्लेबाजों ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए. उसके अगले चार ओवरों में दिल्ली की टीम सिर्फ 24 रन बना पाई और तीन अहम विकेट गंवा दिए. इससे 16 ओवर तक स्कोर 6 विकेट के नुकसान पर 164 रन बना लिए थे.

एक समय जहां दिल्ली कैपिटल्स आसान जीत की ओर बढ़ रही थी, वहां आलम यह था कि 2 ओवरों में उसे 23 रन बनाने थे. चूंकि जसप्रीत बुमराह का एक ओवर बाकी था, इसलिए ये 23 रन भी पहाड़ से लक्ष्य की तरह प्रतीत हो रहे थे. 19वें यानी जसप्रीत बुमराह की पहली 2 गेंदों पर 8 रन आ चुके थे, लेकिन कौन जानता था कि ओवर की अगली तीन गेंदों पर दिल्ली के बाकी तीनों बल्लेबाज रन आउट हो जाएंगे.

व्यापार

केनरा बैंक ने एफडी की ब्याज दरों में बदलाव किया अब जमा पर 7.75 प्रतिशत तक का ब्याज मिलेगा

नई दिल्ली। आरबीआई के रेपो रेट में कटौती के बाद अब बैंकों ने भी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी पर मिलने वाले ब्याज में कटौती करना शुरू कर दी है। केनरा बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों को 20 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है। इसके पहले कोटक महिंद्रा बैंक ने भी स्न्रष्ठ पर ब्याज दरों को घटाया है।

1 साल की एफडी पर अब 6.85 प्रतिशत ब्याज नई ब्याज दरों के अनुसार अगर अब आप केनरा बैंक में 1 साल के लिए स्न्रष्ठ कराते हैं तो आपको सालाना 6.85 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। वहीं 2 साल की एफडी पर 7.15 प्रतिशत, 3 साल की एफडी पर 7.20 प्रतिशत और 5 साल की एफडी पर 6.70 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। वहीं बैंक 444 दिन की एफडी पर 7.25 प्रतिशत ब्याज ऑफर कर रहा है।

कोटक महिंद्रा बैंक में अब 1 साल के लिए एफडी कराने पर सालाना 7.10 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। वहीं 2 साल की एफडी पर 7.15 प्रतिशत, 3 साल की एफडी पर 7.00 प्रतिशत और 5 साल की एफडी पर 6.20 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

सही टेन्योर चुनना जरूरी एफडी में निवेश करने से पहले उसके टेन्योर (अवधि) को लेकर सोच-विचार करना जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर निवेशक मेच्योरिटी से पहले विड्रॉल करते हैं, तो उन्हें जुर्माने का भुगतान करना होगा। स्न्रष्ठ मेच्योर होने से पहले उसे ब्रेक करने पर 1त्न तक की पेनल्टी देनी पड़ेगी। इससे डिपॉजिट पर कमाए जाने वाला कुल ब्याज कम हो सकता है। 2. एक ही स्न्रष्ठ में न लगाएं पूरा पैसा यदि आप किसी एक बैंक में स्न्रष्ठ में 10 लाख रुपए का निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो इसकी जगह एक से ज्यादा बैंकों में 1 लाख रुपए की 8 स्न्रष्ठ और 50 हजार रुपए की 4 स्न्रष्ठ में निवेश करें। इससे बीच में पैसों की जरूरत पड़ने पर आप अपनी जरूरत के हिसाब से स्न्रष्ठ को बीच में ही तुड़वाकर पैसों की व्यवस्था कर सकते हैं। आपकी बाकी स्न्रष्ठ सेफ रहेंगी।

देशभर में यूपीआई सर्विस 3 घंटे डाउन रही, यूजर्स को पेमेंट करने में हुई दिक्कत

नई दिल्ली। देशभर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई सर्विस करीब तीन घंटे डाउन रही। शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे से 1 बजे तक सबसे ज्यादा पेमेंट फेल्योर रिपोर्ट की गई। दोपहर करीब 3 बजे तक पेमेंट करने में दिक्कतें आईं। बीते 20 दिन में यह तीसरी बार है जब ट्रांजैक्शन में समस्या हुई।

वेबसाइट और ऑनलाइन सर्विसेज की रियल टाइम स्टेटस बताने वाला प्लेटफॉर्म डाउन डिटेक्टर के अनुसार समस्या फेस कर रहे करीब 81त्न लोगों को पेमेंट करने में समस्या आई। 17त्न लोगों को फंड ट्रांसफर करने और लगभग 2त्न को खरीदारी करने में दिक्कतें हुईं।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया, अभी रुक-रुक कर

टेक्निकल इश्यू का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते यूपीआई ट्रांजैक्शन में दिक्कत आ रही है। हम इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं और आपको अपडेट रखेंगे। आपको हुई असुविधा के लिए खेद है।

समस्या सुबह करीब 11:30 बजे शुरू हुई थी। तब इस प्लेटफॉर्म पर करीब 900 लोगों ने रिपोर्ट की थी। दोपहर करीब 1:00 बजे सबसे ज्यादा 2400 लोगों ने समस्या रिपोर्ट की थी। दोपहर 2:30 बजे से समस्या में सुधार आना शुरू हुआ।भारत में आरटीजीएस और निफ्ट पेमेंट सिस्टम का ऑपरेशन आरबीआई के पास है। आईएमपीएस, रुपे यूपीआई जैसे सिस्टम को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ऑपरेट करती है। सरकार ने 1 जनवरी 2020 से यूपीआई

ट्रांजैक्शन के लिए एक जीरो-चार्ज फ्रेमवर्क मैंडेटरी किया था।

यूपीआई सर्विस के लिए आपको एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना पड़ता है। इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम या ढ्ढस्न्रस्ष्ट कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट रिक्वेस्ट प्रोसेस करता है।

मोबाइल फोन उत्पादन बढ़कर पांच लाख करोड़ के पार भारत से निर्यात की जाने वाली सबसे बड़ी कमोडिटी बना

नई दिल्ली। देश का मोबाइल फोन उत्पादन 2024-25 में बढ़कर 5.25 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जो 2023-24 में 4.22 लाख करोड़ रुपये था। इसके साथ ही, स्मार्टफोन भारत से निर्यात की जाने वाली सबसे बड़ी कमोडिटी बन गई है।

सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के मुताबिक, देश से 2024-25 में दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का स्मार्टफोन निर्यात हुआ है, जो सालाना आधार पर 55 फीसदी बढ़ा है। यह भारत के बढ़ते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की क्षमता को दिखाता है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने इस बदलाव में अहम भूमिका

निभाई है। इससे क्षमता हासिल करने, वैश्विक निवेश पाने और और दुनिया के लिए एक बड़ा विनिर्माण हब बनने में मदद मिल रही है। इस योजना ने पर्याप्त वैश्विक निवेश आकर्षित किया है, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ने के साथ वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में देश की स्थिति मजबूत हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक व्यापार गतिशीलता में हाल में हुए बदलावों, खासकर अमेरिका के जवाबी टैरिफ ने अमेरिकी बाजार में भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए रणनीतिक अवसर खोले हैं। उधर, एक्सिस कैपिटल ने कहा, भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थिति मजबूत कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में मूल्य संवर्धन 30 फीसदी से बढ़कर 70 फीसदी पहुंच गया है।

एफवाई 25 में रिकॉर्ड 9.19 करोड़ लोगों ने आईटीआर फाइल किया

देश में 10 हजार से ज्यादा लोगों की आय 10 करोड़ से ज्यादा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 में 31 मार्च 2025 तक देशभर में 9.19 करोड़ लोगों ने इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किए। इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र के 1.39 करोड़ लोग हैं। पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले यह 7.86 प्रतिशत ज्यादा है।

पिछले फाइनेंशियल ईयर यानी एफवाई2024 में इनकम टैक्स रिटर्न की संख्या 8.52 करोड़ थी। 2023 में यह संख्या 7.78 करोड़ थी। 2023 की तुलना में 2024 में 9.51 प्रतिशत ज्यादा लोगों ने रिटर्न भरा।

देश में 10 करोड़ से ज्यादा आय वाले लोग तेजी से बढ़ रहे हैं। 31 मार्च 2025 से पहले तक 10 करोड़ से ज्यादा इनकम वाले 10,814 लोगों ने

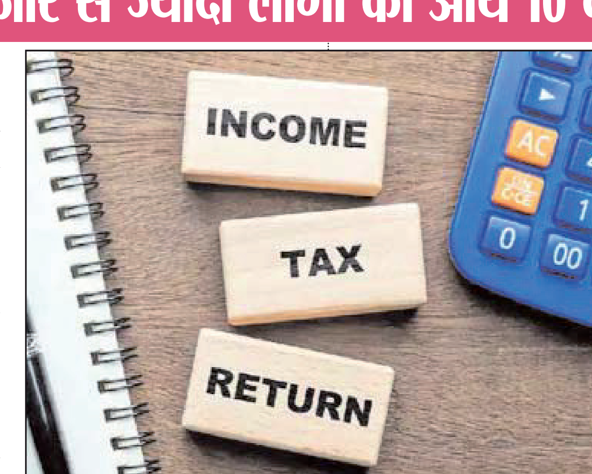

रिटर्न भरा। जबकि 5-10 करोड़ आय वाले लोगों की संख्या 16,797 है। वहीं, 1 से 5 करोड़ के बीच इनकम वाले 2.97 लाख लोगों ने रिटर्न फाइल किए हैं।

टैक्स स्लैब में बदलाव: 20 से 24 लाख की इनकम के लिए नया स्लैब

क्या बदलाव हुआ है: न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए हो जाएगी। न्यू टैक्स रिजीम में 20 से 24 लाख की इनकम के लिए 25त्न टैक्स का नया स्लैब भी शामिल किया गया है।

असर क्या होगा: पहले 30त्न की अधिकतम दर 15 लाख रुपए से ऊपर की आय पर लागू होती थी, लेकिन अब यह सीमा बढ़ाकर 24 लाख रुपए कर दी गई है। इससे मध्यम और उच्च-मध्यम आय वर्ग को कर में बचत होगी।

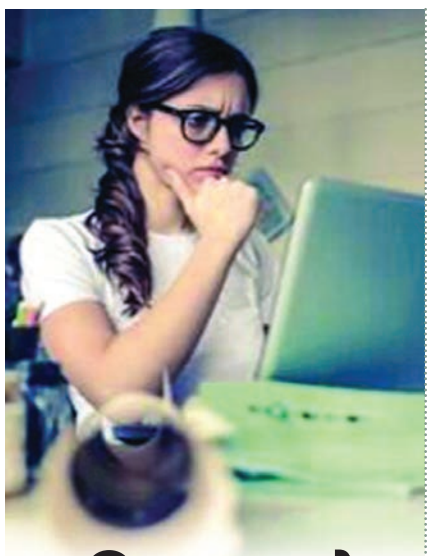

करियर चुनते समय भूलकर भी ना करें यह गलतियां

करियर चुनते समय कुछ चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप इन चीजों का ख्याल नहीं रखती हैं तो आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

करियर चुनना एक ऐसा फैसला है जिस पर आपकी आने वाली जिंदगी निर्भर करती है। ऐसे में यह फैसला कभी भी जल्दबाजी या बिना जानकारी के ना लें। अगर आप ऐसा करती हैं तो आने वाला समय आपके लिए मुश्किलों से भरा हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि करियर का फैसला सोच समझकर लिया जाए। ऐसे में करियर चुनते समय निम्नलिखित गलतियों से बचने के लिए ध्यान देना काफी जरूरी है।

प्रभावित होना

अक्सर लोग दूसरों के मत और प्रभावों के चलते करियर चुनते हैं। आपको अपनी प्राथमिकताओं, रुचियों और क्षमताओं के आधार पर चुनाव करना चाहिए, न कि दूसरों के प्रभाव में आकर। दूसरों का सुनना जरूरी है लेकिन जरूरी नहीं की आप उनकी हर बात को मानें।

बाहरी दबावों को महत्व देना

अक्सर परिवार दबाव, सामाजिक प्रतीक्षाओं या प्रतिस्पर्धा के दबाव के चलते गलत करियर चुन लेते हैं। आपको खुद के आंतरिक आवश्यकताओं और योग्यताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दबावों मे आकर कोई भी गलत निर्णय ना करें। ऐसे में आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

अनधिकृत सलाह पर निर्भरता

करियर चुनते समय बहुत से लोग अनधिकृत या अयोग्य व्यक्तियों से सलाह लेते हैं। आपको केवल प्रामाणिक और विशेषज्ञ सलाहकारों की सहायता लेनी चाहिए। सलाह लेना जरूरी है लेकिन अपनी रूची के हिसाब से निर्णय लें। ताकि आपको आगे दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

सिर्फ पैसे के लिए चुनाव

सिर्फ पैसे के लिए करियर को ना चुनें। पैसा होना जरूरी है लेकिन अगर आपका मन उस काम में नहीं लगता है लेकिन उस फिल्ड में पैसा अधिक है तो कभी भी ऐसा फील्ड का चुनाव अपने करियर के लिए ना करें।

टैटू आर्टिस्ट की फील्ड में किताबी पढ़ाई नहीं क्रिएटिव स्किल्स होना जरूरी

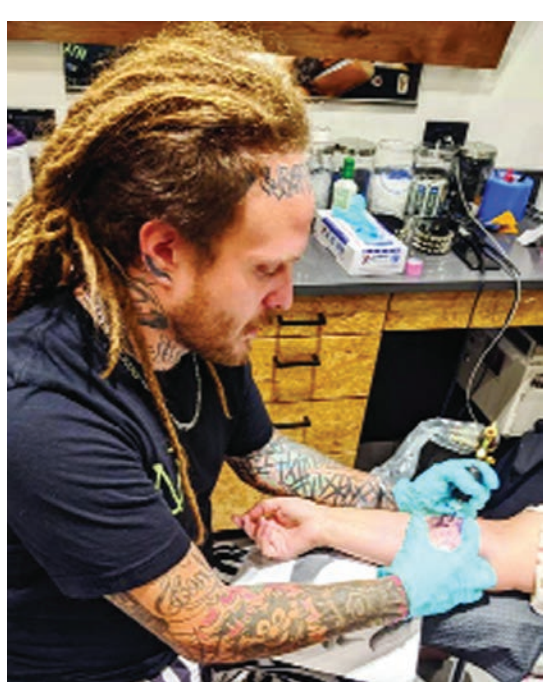

आज के समय में लोग टैटू बनवाना काफी पसंद करते हैं, इसलिए अच्छे टैटू आर्टिस्ट की डिमांड काफी बढ़ गई है। हालांकि, एक सक्सेसफुल टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए आपमें कुछ स्किल्स होने बेहद जरूरी हैं।

वो जमाने लद गए, जब लोग केवल कुछ ही फील्ड में अपना करियर देखते थे। आज के समय में लोग कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर बना रहे हैं। क्रिएटिव फील्ड में एक्सपर्ट की डिमांड काफी बढ़ने लगी है। इन्हीं में से एक है टैटू आर्टिस्ट की फील्ड। आज के समय में लोगों में टैटू बनवाने का क्रेज बहुत ज्यादा बढ़ गया है। जिसके कारण वे एक अच्छे टैटू आर्टिस्ट को ढूंढते हैं। यही कारण है कि टैटू आर्टिस्ट की फील्ड में करियर ऑप्शन भी बहुत अच्छे हैं।

यह एक ऐसी फील्ड है, जिसमें आपकी किताबी पढ़ाई काम नहीं आती है, बल्कि आपके स्किल्स ही आपको आगे लेकर जाते हैं। यह तो हम सभी जानते हैं कि एक अच्छा टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। लेकिन सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। अगर आप एक टैटू आर्टिस्ट के रूप में अपना करियर देख रहे हैं तो ऐसे में आपमें कुछ स्किल्स होने भी बेहद जरूरी हैं, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

होने चाहिए आर्टिस्टिक स्किल्स

किसी भी टैटू आर्टिस्ट के लिए बेहद ही जरूरी है कि उसमें आर्टिस्टिक टैलेंट जरूर हो। अगर आपकी ड्राइंग या आर्टिस्टिक स्किल्स अच्छे नहीं होते हैं तो ऐसे में आप अपने क्लाइंट को अच्छे रिजल्ट नहीं दे सकते हैं। आपके भीतर डिजाइन से लेकर शेडिंग और कलर थ्योरी आदि की जरूर समझ होनी चाहिए। यह आर्टिस्टिक स्किल्स ही होते हैं, जो किसी क्लाइंट के आइडियाज को एक टैटू डिजाइन के रूप में उकेरते हैं।

स्किन की होनी चाहिए समझ

अगर आप एक बेहतरीन टैटू आर्टिस्ट बनना चाहते हैं तो आपको स्किन की भी समझ होनी चाहिए। जिससे आप टैटू ठीक तरह से बना सके और किसी तरह की परेशानी ना हो। एक टैटू आर्टिस्ट के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि सुई को त्वचा में कितनी गहराई तक घुसाना है या फिर अलग-अलग तरह की स्किन पर टैटू प्रोसेस किस तरह से इफेक्ट करेगा। साथ ही साथ, टैटू बनवाने से पहले और बाद में स्किन की सही तरह से देखभाल किस तरह की जाए।

इमेजिनेशन पावर हो बेहतर

आज के समय में लोग टैटू में कस्टम डिज़ाइन बनवाना काफी पसंद करते हैं। ऐसे में टैटू आर्टिस्ट के लिए एक परफेक्ट टैटू डिजाइन बनाने के लिए क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। अगर टैटू आर्टिस्ट की इमेजिनेशन पावर अच्छी होगी तो वह अपने क्लाइंट की जरूरतों को समझकर एक यूनिक डिजाइन क्रिएट कर पाएगा।

बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स

टैटू आर्टिस्ट का काम सिर्फ टैटू डिजाइन बनाना ही नहीं होता है, बल्कि उन्हें अलग-अलग तरह के क्लाइंट्स से भी डील करना होता है। उनकी जरूरतों व इच्छाओं को समझकर उन्हें सजेशन देना होता है। साथ ही साथ, ऐसे डिजाइन का क्रिएट करना होता है, जो उनकी इच्छा के अनुरूप हो। हालांकि, ऐसा केवल तभी संभव है, जब टैटू आर्टिस्ट के कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर हो। इतना ही नहीं, अपने कम्युनिकेशन स्किल्स के चलते वह क्लाइंट्स को बार-बार सर्विस भी दे सकता है।

....अगर आप भी घर संभालने के साथ-साथ जॉब करना चाहती हैं

अगर आप शादी के बाद घर संभालने के साथ-साथ जॉब करना चाहती हैं, तो हम आपको बताएंगे कि आप कौन-कौन से करियर ऑप्शन चुन सकती हैं और घर बैठे पैसे कमा सकते हैं।

आज के समय में कई महिलाएं अपने परिवार और घर की देखभाल के साथ-साथ घर बैठे ही पैसे कमाना चाहती हैं। ऐसे में अगर आप भी घर बैठे नौकरी करके पैसे कमाना चाहती हैं, तो ये करियर ऑप्शन आपके लिए बेस्ट होंगे। इनके जरिए आप अच्छे पैसे कमा सकती हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर

सोशल मीडिया मैनेजर कंपनी, ब्रांड या किसी प्रमुख संस्थान के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सोशल अकाउंट और चैनल को सही तरीके से मैनेज करते हैं। अगर आपको सोशल मीडिया से जुड़े रहना पसंद है और आप उससे जुड़ी हुई चीजों को बेहतर तरह से समझना चाहती हैं, तो यह करियर ऑप्शन आपके लिए परफेक्ट साबित हो सकता है। सोशल मीडिया मैनेजर कंपनी को आगे ले जाने के लिए नए-नए तरीके अपनाते रहते हैं, ताकि कंपनी की अच्छी छवि को बनाया रखा जा सके।

ऑनलाइन टीचर

इस आधुनिक जमाने में हर चीज ऑनलाइन हो रही है, जिसकी वजह से बहुत से लोग ऑनलाइन टीचिंग से पैसे कमाने के तरीके ढूंढ रहे हैं। ऑनलाइन टीचर बनकर आप अच्छे पैसे कमा सकती हैं। आप मैथ्स और साइंस के साथ में जेईई मेंस, नीट, निफ्ट आदि से जुड़े हुए कोर्स आप पढ़ा सकती हैं। आप ऑनलाइन टीचिंग के लिए खुद को रजिस्टर कर सकती हैं। आप ऑनलाइन टीचिंग के लिए मेरिटनेशन, चैग इंडिया या अनअकैडमी वेबसाइट पर रजिस्टर कर सकती हैं।

वर्चुअल असिस्टेंट

इसमें कोई शक नहीं कि तकनीक ने काम को कुशलता के साथ पूरा करने और इनोवेटिव तरीके से लक्ष्य हासिल करने के नए तरीके सामने रखे हैं। वर्चुअल असिस्टेंट, कंपनियों को उनके अलग-अलग कामों में मदद करते हैं और अच्छे पैसे कमाते हैं। इस काम से आप हर घंटे 500 से 4000 रुपये तक की कमाई कर सकती हैं। वर्चुअल असिस्टेंट के कई काम होते हैं। इसमें आपको कंपनी के ऑर्डर पर नजर रखना, कंपनी के पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन बनाना, बिजनेस डॉक्यूमेंट्स बनाना आदि शामिल होते हैं। इसके लिए आपको थोड़ी ट्रेनिंग की भी जरूरत पड़ सकती है।

बिजनेस एनालिटिक्स में बनाएं अपना करियर

अगर आपको भी बिजनेस में अधिक रुचि है, तो आप भी बिजनेस एनालिटिक्स में अपना करियर बना सकते हैं। इसके लिए यहां हम कुछ कोर्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके लिए काम की हो सकती है।

आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में बिजनेस एनालिटिक्स के क्षेत्र में मांग लगातार बढ़ रही है। हर इंडस्ट्री और कंपनियों को एक्सपर्ट्स की तलाश रहती है, जो उन्हें बेहतर स्ट्रैटेजिक सॉल्यूशन दे सके। दरअसल, बिजनेस एनालिटिक्स का काम फैक्ट्स और उपलब्ध डेटा का अच्छी तरह विश्लेषण कर कंपनी के लिए बिजनेस संबंधित नीतियां तैयार करना है।

जो भी पढ़ाई करने के बाद अगर टेक्निकल स्किल की ओर अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो वह बिजनेस एनालिटिक्स का कोर्स कर सकते हैं। इसकी डिमांड भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में आप बिजनेस की तरफ अपना रुख कर सकती हैं। इससे आपको विदेशों में भी नौकरी पाने का मौका मिल सकता है। इसी के साथ आइए कोर्स और जॉब प्रोफाइल आदि के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कब कर सकते हैं बिजनेस संबंधित कोर्स?

कंप्यूटर साइंस स्ट्रीम के साथ बी.टेक या बी.ई कोर्स करने के लिए उम्मीदवार का फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है। इसके लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना अनिवार्य है। इसके अलावा, 12वीं में इंग्लिश एक अनिवार्य विषय के रूप में होना चाहिए। साथ ही, कैंडिडेट को अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं का ज्ञान होना जरूरी है। अगर आप में ये सभी योग्यता है, तो आप करियर के लिहाज से बिजनेस एनालिस्ट का चयन कर सकती हैं।

बिजनेस एनालिस्ट में टॉप कोर्स

- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन बिजनेस एनालिटिक्स
- बीबीए इन बिजनेस एनालिसिस
- एश्योरेंस एनालिटिक्स फॉर मैनेजमेंट
- बैचलर इन कम्प्यूटेशनल बिजनेस एनालिटिक्स
- पीजीपी इन बिजनेस एनालिटिक्स
- एमबीए इन बिजनेस एनालिटिक्स
- बिजनेस एनालिस्ट में सर्टिफिकेशन
- सीएफए (चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट)
- एफआरएम (फाइनेंशियल रिस्क मैनेजर) सर्टिफिकेट
- PMI-प्रोफेशनल्स इन बिजनेस एनालिसिस सर्टिफिकेट
- आईआईबीए एजाइल एनालिसिस सर्टिफिकेशन
- IREB-सर्टिफाइड प्रोफेशनल फॉर रिक्वायरमेंट्स इंजीनियरिंग
- प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सर्टिफिकेशन (एमबीए इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट)
- IIBA सर्टिफिकेशन ऑफ कॉम्पिटेंसी इन बिजनेस एनालिसिस

भारत में बिजनेस एनालिटिक्स के लिए टॉप संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद, गुजरात
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- वीजीएसओएम, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
- एक्सएलआरआई, जमशेदपुर, झारखंड
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर, मध्य प्रदेश
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, शिलांग, मेघालय
- इंडियन स्कूल ऑफ बिज़नेस, हैदराबाद
- एनआईटी त्रिची, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बैंगलोर, कर्नाटक
- एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पुणे

श्रद्धा: खंधो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया एक लाख ग्यारह सौ रुपये का दान

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि संजीव द्विवेदी को सौंपी राशि।

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

रीवा खंधो देवी मंदिर में विकाश कार्य के लिए मदन मुन्नी बैरिया,उनके पुत्र रंजीत सपना बैरिया एवं रवि पूनम बैरिया निवासी पीपल चौराहा गोविंदगढ़ ने जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि संजीव द्विवेदी पिंटू को एक लाख रु .कि राशि आदिशक्ति माता जगत जननी मां खंधो देवी के परिसर में विकास कार्य के लिए सौंपी ।

इस दौरान उनके द्वारा जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि संजीव द्विवेदी पिंटू द्वारा मां खंधो देवी मंदिर परिसर में किए गए विकास कार्यों को मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की गई।

संजीव द्विवेदी ने दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सनातन धर्म में मंदिर निर्माण को सबसे महान और पुण्यदायी कार्यों में से एक माना गया है। मंदिर सिर्फ एक संरचना नहीं है; यह एक आध्यात्मिक केंद्र है, जहाँ भक्त ईश्वर से जुड़ने और अपने जीवन में शांति और शक्ति प्राप्त करने के लिए आते हैं। मंदिर निर्माण में सहयोग देने से व्यक्ति को व्यक्तिगत, आध्यात्मिक और सामाजिक स्तर पर कई प्रकार के पुण्य और लाभ प्राप्त होते हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई

बगैर पंजीयन होम्योपैथी डॉक्टर कर रहे एलोपैथी का इलाज, क्लीनिक की सील

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | कलेक्टर श्री संदीप जी आर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए बगैर पंजीयन के होम्योपैथी डॉक्टर एलोपैथी का बोर्ड लगाकर इलाज करते पाए गए जिसे तत्काल पंचनामा बनाकर क्लीनिक को सील किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर ममता तिमोरे ने बताया कि कलेक्टर श्री संदीप जी आर के द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि जिले में कोई भी झोलाछाप या फर्जी डॉक्टर पाया जाता है तो उस पर पुलिस कार्रवाई की जाए ,इसी परिपेक्ष में आज यह कार्रवाई की गई है उन्होंने बताया कि कार्रवाई करने के लिए एक टीम बनाई गई जिसमें नोडल अधिकारी डॉक्टर देवेश पटेरिया, श्री विनोद नामदेव सहित अन्य अधिकारी सदर पहुंचे जहां होम्योपैथी डॉक्टर इनाम खान अपनी क्लीनिक पर एलोपैथी का इलाज करते हुए पाए गए एवं एलोपैथी इलाज के बड़े-बड़े बोर्ड भी लगाए पाए गए एवं एलोपैथी दवाइयां, इंजेक्शन भी उनके क्लीनिक में पाई गई है।

क्लिनिक को तत्काल रूप से सील किया गया है और डॉक्टर इनाम खान से सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री संदीप जी आर ने विगत दिवस स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सभी नर्सिंग होम एवं संचालक एवं अन्य डॉक्टरों की बैठक लेकर निर्देशित किया गया था कि सभी अपने-अपने नर्सिंग होम एवं क्लीनिक में यह सुनिश्चित करें कि कोई भी डॉक्टर फर्जी डिग्री के साथ प्रेक्टिस तो नहीं कर रहा है उन्होंने सभी को निर्देशित किया था कि तीन दिवस में सभी जानकारियां मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी निर्देशित किया था कि तीन दिवस में सभी नर्सिंग होम एवं अन्य अस्पतालों का निरीक्षण कर दस्तावेजों की जांच करें एवं जानकारी इकट्ठा करे इसी परिपेक्ष में आज यह कार्रवाई की गई।

हनुमान जन्मोत्सव पर शहर में निकली भव्य शोभा, यात्रा फूलों की बारिश ने शहर की फिजा को बदला

अनुपपुर प्रतिनिधि

अनूपपुर । प्राचीन श्री शिव मारुति मंदिर (सामतपुर)अनूपपुर में हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ना शुरू हो गई थी। पूरा अनूपपुर जय श्री राम,जय हनुमान के नारों से गुंजायमान होता रहा।

श्री शिव मारुति मंदिर में सुबह से पूजा एवं विशेष अनुष्ठान किया गया।तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन प्रारंभ हुआ जो देर रात्रि तक चलता रहा।शाम 5 बजे हनुमान जी की भव्य शोभा यात्रा शहर में निकाली गई।भव्य शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया।फूलों की वर्षा की गई जिससे पूरा शहर फूलों की नगरी सा प्रतीत होने लगा।जिसमें छत्तीसगढ़ के कलाकारों के कर्मा,नृत्य ने शहर का माहौल ही बदल दिया।

राजस्थान की मनमोहक झांकियों में रामदरबार,7 फिट के बाहुबली हनुमान जी एवं हनुमान जी के सिर पर विराजमान मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी आकर्षण का केंद्र बिंदु बन रहे।

शोभा यात्रा की भव्यता, बना आकर्षण का केंद्र

इस भव्य आयोजन में अनूपपुर जिले के अलावा आस- पास के गांव के हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।शोभा यात्रा की भव्यता देखते ही बन रही थी। जिसमें मनमोहक झांकियां,आकर्षक साज सज्जा,भक्ति की अनोखी छटा देखने को मिली।इस दौरान देश भर से आए कलाकार अपने प्रस्तुतियों से माहौल को भक्ति मय बना दिया।

इस भव्य कार्यक्रम में पूरा अनूपपुर शामिल रहा। शोभा यात्रा के दिन मुख्यालय के अधिकांश बाजार एवं प्रतिष्ठान बंद रहे।एवं सभी व्यापारी शोभा यात्रा और कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।बस स्टैंड अनूपपुर में संध्या आरती का आयोजन रखा गया।राम कथा, हनुमान चालीसा से सभी श्रद्धालु झूम उठे।

पूरे अनूपपुर जिले में हर्षोल्लास का माहौल रहा

हनुमान जन्मोत्सव के इस आयोजन से जिले में भारी उत्साह देखा गया।भक्त इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।ताकि वे इस भव्य आयोजन के साक्षी बन सके।अनूपपुर जिले के लिए यह आयोजन धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से मिल का पत्थर साबित हुआ।

शिव मारुति युवा संगठन अनूपपुर ने सभी जन मानस को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में आए सभी सभी माताओं,बहनों,सभी साथियों एवं पुलिस प्रशासन को भी उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

हनुमान मंदिरों में लगा रहा भक्तों का ताता

शहर स्थित हनुमान मंदिर में सुबह से ही भक्तों का ताता लगा रहा।रेलवे कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर के सहित रजाहा पुरानी बस्ती हनुमान मंदिर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन एवं विशाल भंडारे का कार्यक्रम किया गया। यहां मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बिसाहूलाल सिंह भी शामिल हुए।

चीन जल-थल-नभ में अमेरिका को पछाड़ रहा... अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांडर ने क्यों जताया डर

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल सैमुअल पापारो ने गुरुवार को ताइवान के पास चीन की सैन्य उपस्थिति के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चीन का हालिया युद्धाभ्यास सामान्य अभ्यासों से कहीं अधिक गंभीर है। पापारो ने यूएस कांग्रेस की सीनेट सशस्त्र सेवा समिति को संबोधित करते हुए कहा, "ताइवान के खिलाफ सैन्य दबाव 300% बढ़ने के साथ, उसके पास चीन की बढ़ती आक्रामक कार्रवाइयां केवल अभ्यास नहीं, बल्कि हमले का रिहर्सल हैं।" उन्होंने अमेरिका-चीन सैन्य शक्ति पर भी गंभीर टिप्पणी की। उन्होंने चीन के रणनीतिक बदलाव को व्यापक आधुनिकीकरण प्रयास का हिस्सा बताया, जो न केवल ताइवान बल्कि पूरे क्षेत्र में अमेरिकी हितों और सहयोगियों के लिए भी खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा, "चीन की अभूतपूर्व आक्रामकता और सैन्य आधुनिकीकरण मातृभूमि, हमारे सहयोगियों और हमारे भागीदारों के लिए एक गंभीर खतरा है।" उन्होंने बीजिंग की कार्रवाइयों से उत्पन्न बढ़ती क्षेत्रीय अस्थिरता पर गंभीर चिंता जताई। ताइवान खुद को एक स्वतंत्र, संप्रभु

राष्ट्र मानता है। वहीं, चीन इसे "एक चीन" नीति के तहत आधिकारिक तौर पर अपना हिस्सा मानता है। हालांकि चंद छोटे देशों को छोड़कर पूरी दुनिया और अंतरराष्ट्रीय संगठन ताइवान को एक स्वतंत्र देश के रूप में नहीं देखते हैं। इस बीच दक्षिण चीन सागर में तनाव बढ़ता जा रहा है क्योंकि बीजिंग ताइवान को मुख्य भूमि के साथ "पुनर्मिलन" करने के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है, एक ऐसा लक्ष्य जिसके बारे में वाशिंगटन और ताइपे दोनों ने चेतावनी दी है कि यह इंडो-पैसिफिक में संतुलन को बिगाड़ देगा। एडमिरल ने बताया कि ताइवान को अधीन करने के बजाय, चीन की आक्रामक मुद्रा का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, "जबकि [पीपुल्स लिबरेशन आर्मी] पीएलए ताइवान के लोगों को डराने और जबरदस्ती करने की क्षमता का प्रदर्शन करने का प्रयास करती है, ये कार्रवाइयां उलटी पड़ रही हैं, जिससे वैश्विक ध्यान बढ़ रहा है और ताइवान की अपनी रक्षा तैयारियां तेज हो रही हैं।" ताइवान जलडमरूमध्य से परे, पापारो ने सांसदों को चीन के सैन्य उत्पादन में तेजी लाने के व्यापक निहितार्थों के बारे में भी आगाह किया। उन्होंने कहा, "चीन हवाई मिसाइल, समुद्री और अंतरिक्ष क्षमता में संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकल रहा है और इनमें तेजी ला रहा है।" उन्होंने एक स्पष्ट तुलना की, जिसमें उन्होंने कहा कि चीनी सेना संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में 1.2 गुना अधिक गति से लड़ाकू जेट का निर्माण कर रही है और नौसेना के जहाजों, उन्नत मिसाइलों और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के उत्पादन में भी अमेरिका से आगे निकल रही है। पापारो ने निष्कर्ष निकाला, "मुझे हमारी निवारक मुद्रा पर भरोसा है, लेकिन प्रक्षेपवक्र को बदलना होगा," उन्होंने अमेरिकी रक्षा नवाचार और तत्परता के लिए एक तत्काल आह्वान का संकेत दिया।

इजरायल ने सीरिया में तोड़ा तुर्की के 'खलीफा' का सपना तो बिलबिलाया पिछलग्गू पाकिस्तान, संयुक्त राष्ट्र में उगला जहर

एजेंसी इस्लामाबा

सीरिया में S-400 मिसाइलें तैनात कर सैन्य अड्डा बनाने का सपना देख रहे तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के सपने को इजरायल ने अपने फाइटर जेट से तबाह कर दिया है। इजरायल के आक्रामक सैन्य अभियान के बाद तुर्की बैकफुट पर आ गया है और उसने अजरबैजान में यहूदी देश के साथ बातचीत शुरू की है। इस बीच तुर्की के पिछलग्गू पाकिस्तान ने इस्लामिक देशों का खलीफा बनने की फिराक में लगे एर्दोगान को खुश करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सीरिया में इजरायल के हमले के मुद्दे को उठाया है। पाकिस्तान ने कहा कि इजरायल का सीरिया में हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य पाकिस्तान ने इजरायल के खिलाफ अपने एजेंडे को बढाते हुए कहा कि इजरायल का हमला सीरिया की राजनीतिक स्थिरता और राष्ट्रीय मेल मिलाप को कमजोर करता है। इससे पहले इजरायल ने सीरिया

के कई सैन्य ठिकानों को तबाह करके वहां के नए एचटीएस शासकों को बता दिया था कि वे तुर्की को इस इलाके से दूर रखें। इजरायल ने साफ तौर पर तुर्की को भी बता दिया है कि सीरिया उसके लिए रेड लाइन है। इजरायल का कहना है कि तुर्की सीरिया में अपना प्रभाव जमाने के लिए सैन्य अड्डा बनाना चाहता है। दरअसल, इजरायल सीरिया के हवाई क्षेत्र में घुसकर ईरान पर हमले करता है। अगर तुर्की यहां अपना बेस बना लेता है तो इजरायल के लिए यह करना संभव नहीं रह जाएगा। तुर्की का इरादा यहां पर बेहद शक्तिशाली रूसी एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने का है। इसके अलावा इजरायल को डर सता रहा है कि सैन्य अड्डा बन जाने से तुर्की उसकी सीमा के पास पहुंच जाएगा जो ईरान के मुकाबले ज्यादा ताकतवर देश है। तुर्की नाटो का सदस्य है और दुनियाभर में अपनी ड्रोन ताकत के लिए जाना जाता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि हम एक बेहद चिंताजनक पैटर्न को देख रहे हैं। इजरायल की ओर से लगातार बिना उकसावे के सैन्य हमले किए जा रहे हैं। यह साल 1974 के समझौते का बार बार उल्लंघन है। इजरायल ने सीरिया की सीमा के अंदर अवैध तरीके से सेना को तैनात कर रखा है। पाकिस्तानी दूत ने दावा किया कि इजरायल के सीरिया में हमले में आम नागरिक मारे जा रहे हैं। उन्होंने सुरक्षा परिषद से अपील की कि इजरायल को हमले करने से रोकें।

मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर फिर हमला, दीवारों पर रंग पोते, ऑस्ट्रेलिया ने चुप्पी साधी

एजेंसी मेलबर्न

मेलबर्न में भारत के महावाणिज्य दूतावास पर एक बार फिर हमला हुआ है। के 344 सेंट किल्डा रोड पर स्थित है। यहां भारतीय राजनयिक परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार पर हमलावरों ने रंग पोत दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हमले की यह घटना कथित तौर पर 10 अप्रैल की रात लगभग 1:00 बजे हुई। विक्टोरिया पुलिस ने ऑस्ट्रेलिया टुडे को पुष्टि की कि मेलबर्न में भारत के वाणिज्य दूतावास की इमारत पर हमले की रिपोर्ट के बाद 10 अप्रैल की सुबह अधिकारी मौके पर पहुंचे। विक्टोरिया पुलिस प्रवक्ता ने कहा, "अधिकारियों का मानना है कि इमारत के मुख्य प्रवेश द्वार पर बुधवार 9 और गुरुवार 10 अप्रैल के बीच रात को रंग पोते गए थे। नुकसान की जांच अभी भी जारी है।" हालांकि, इस बर्बरतापूर्ण घटना ने भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के भीतर चिंता को फिर से जगा दिया है, जिसने मेलबर्न में हिंदू मंदिरों पर हमले और भारतीय सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर की जाने वाली घटनाओं के बढ़ते पैटर्न पर निराशा व्यक्त की है। समुदाय के नेताओं का कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों पर बार-बार होने वाले हमले बेहद दुखद हैं और ऑस्ट्रेलिया के सबसे बहुसांस्कृतिक राज्य में सामाजिक सामंजस्य को कमजोर करते हैं। स्थानीय भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय का कहना है कि यह सिर्फ साधारण हमले की घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे समुदाय को डराने-धमकाने का संदेश है। यह पहली बार नहीं है, जब ऑस्ट्रेलिया में भारत के महावाणिज्यिक दूतावास को निशाना बनाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में कई बार भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावासों पर हमले हुए हैं। इन हमलों के पीछे पाकिस्तान समर्थित खालिस्तानी आतंकवादियों का हाथ बताया जाता है। हालांकि, इस हमले को लेकर भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों द्वारा कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। भारतीय प्रवासियों के सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस मामले को वरिष्ठ विक्टोरियन अधिकारियों और कैनबरा में भारतीय उच्चायोग के समक्ष उठाया गया है। पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि किसी संदिग्ध की पहचान की गई है या नहीं, न ही इस बात की पुष्टि की है कि क्षेत्र से सुरक्षा फुटेज की समीक्षा की जा रही है। अधिकारी किसी भी व्यक्ति से आगे आने का आग्रह कर रहे हैं, जिसके पास कोई जानकारी है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, "जिन लोगों के पास ऐसी जानकारी है जो पुलिस की सहायता कर सकती है, उनसे 1800 333 000 पर क्राइम स्टॉपर्स से संपर्क करने या www.crimestoppersvic.com.au पर गोपनीय रिपोर्ट जमा करने का आग्रह किया जाता है।" हाल के महीनों में, विक्टोरिया पुलिस और राज्य सरकार ने घृणा-आधारित अपराधों और बर्बरता पर नकेल कसने का संकल्प लिया है, विशेष रूप से आस्था-आधारित संस्थानों को निशाना बनाने वालों पर।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698